पटना ● बुधवार, 10 जुलाई 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः179 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

बॉर्डर न्यूज मिरर

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

"खबरों से समझौता नहीं"

संग्रामपुर स्वास्थ्य केंद्र पर बाढ़ पूर्व ... 3 www. bordernewsmirror.com द बकिंघम मर्डर्स की... 8

बेंगलुरु में बीच बाजार यात्रियों से भरी बस में लगी आग

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु में यात्रियों से भरी एक बस में आग लग गई। इसके बाद वहां पर अफरा-तफरी मच गई। हालांकि बस ड्राइवर की सूझबूझ से लोगों की जान बच गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। यह घटना मंगलवार सुबह की है। यात्रियों के बस में बैठने के बाद ड्राइवर ने जैसे ही इंजन स्टार्ट किया, आग लग गई। इसके तुरंत बाद ड्राइवर बस से नीचे कूद गया। फिर

उसने सभी यात्रियों को भी जल्दी-जल्दी बस से नीचे उतारा। ड्राइवर की सतर्कता के चलते एक बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के मुताबिक बस के अंदर कुल 30 पैसेंजर्स बैठे थे। यह बस बेंगलुरु मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (बीएमटीसी) की है। यह कोरामांगला डिपो से संबंधित है। पैसेंजर्स ने घटना का वीडियो बनाया है। इसमें दिखाई दे रहा है बस में आग लगी हुई है और धुआं काफी तेजी से उठ रहा है। घटन की सूचना मिलते ही फायरफाइटर मौके पर पहुंचे और आग को बुझाना शुरू किया। कुछ देर के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

तेजस्वी सूर्या सहित कर्नाटक के भाजपा नेताओं को बड़ी राहत

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक हाईकोर्ट ने राज्य के दिग्गज भाजपा नेताओं को बड़ी राहत दी है। हाईकोर्ट ने मंगलवार को एक सिविल ठेकेदार द्वारा दायर जनहित याचिका को खारिज कर दिया। इस याचिका में कर्नाटक के कई बड़े भाजपा नेताओं के खिलाफ नफरत फैलाने वाले भाषण देने के आरोप में कार्रवाई करने की मांग की गई थी। याचिका में एमपी रेणुकाचार्य, सीटी

रवि, तेजस्वी सूर्या और प्रताप सिम्हा सहित राज्य के कई भाजपा नेताओं के खिलाफ कथित रूप से नफरत भरे भाषण देने के लिए कार्रवाई की मांग की गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, याचिकाकर्ता मोहम्मद खलीउल्ला ने दावा किया कि उन्हें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए कथित भाषणों के बारे में पता चला। हालांकि, मुख्य न्यायाधीश एनवी अंजारिया की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने पाया कि आरोप बहुत सामान्य थे, उनमें प्रमाणिकता की कमी थी। पीठ ने कहा कि जनहित याचिका राजनीति से प्रेरित प्रतीत होती है।

घाटी में सैनिकों के बलिदान का बदला तो लिया जाएगा

कठुआ हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान को दिया सख्त संदेश

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ में आतंकवादी हमले में 5 जवान शहीद हो गए। इस घटना पर भारत की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया दी गई है। केंद्रीय रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने ने कहा कि कठुआ हमले में हमारे जवानों की मौत का बदला लिया जाएगा और भारत इसके पीछे की बुरी ताकतों को हराएगा। उन्होंने इस आतंकी हमले में 5 बहादुर सैनिकों की मौत पर गहरा दुख जताया और शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना जताई। अरमाने ने कहा, राष्ट्र के प्रति उनकी निस्वार्थ सेवा को हमेशा याद रखा जाएगा। उनके बलिदान का बदला लिया जाएगा और भारत हमले के पीछे की बुरी ताकतों को हराएगा। सोमवार को

कठुआ के बदनोटा इलाके में भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों ने गश्ती दल पर घात लगाकर हमला किया था, जिसमें 5 जवान शहीद हो गए थे और कई घायल हो गए थे। वहीं, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पांच जवानों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया।

शरण देने वाले लोगों को भी भुगतने होंगे नतीजे

बता दें कि कठुआ में गश्ती दल पर आतंकवादी हमले में शहीद हुए 5 सैन्यकर्मी उत्तराखंड के थे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को कहा कि उनका बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि मानवता के दुश्मन और इस कायरतापूर्ण हमले के दोषी आतंकवादियों को किसी भी कीमत पर नहीं बख्शा जाएगा। उन्हें शरण देने वाले लोगों को भी इसके परिणाम भुगतने होंगे। दुख की इस घड़ी में पूरा राज्य उनके परिवारों के साथ खड़ा है। यह हमला सोमवार को हुआ जब कठुआ के बदनोटा इलाके में भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों के समूह ने गश्त कर रहे दल पर घात लगाकर हमला किया। हमला करने वाले आतंकवादियों को पकड़ने के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

विराट कोहली के बेंगलुरु स्थित पब पर एफआईआर

● लेट नाइट तेज आवाज में म्यूजिक बजाने का आरोप

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु में विराट कोहली के पब में देर रात तक तेज आवाज में म्यूजिक बजाने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। विराट का वन 8 कम्यून पब एमजी रोड पर स्थित है। डीजीपी सेंट्रल ने बताया कि शनिवार की रात कब्बन पार्क पुलिस थाने की टीम पेट्रोलिंग पर निकली थी। तब वन 8 रात 1.30 बजे तक खुला मिला था।

पब का मैनेजर गलत तरीके के पब को खोले हुए था। बेंगलुरु में रात 1 बजे तक ही पब खोलने की परमीशन है। इसलिए पब के

खिलाफ एक्शन लिया गया। वन 8 के अलावा 3-4 अन्य पब के खिलाफ भी केस दर्ज किए गए हैं। विराट कोहली के वन 8 कम्यून की दिल्ली, मुंबई, पुणे और कोलकाता में भी ब्रांच हैं। बेंगलुरु की ब्रांच को दिसंबर 2023 में खोला गया था, ये रत्नम कॉम्प्लेक्स की छठी मंजिल पर है। विराट ने एक इंटरव्यू में कहा था कि बेंगलुरु उनका फेवरेट शहर है। इसलिए उन्होंने ब्रांच के लिए बेंगलुरु को चुना था।

मॉस्को में मोदी बोले-चुनौती को चुनौती देना मेरा डीएनए

● राष्ट्रपति पुतिन ने पीएम मोदी को रूसी न्यूक्लियर एनर्जी हब दिखाया ● एटम सेंटर लेकर गए, परमाणु पनडुब्बी तकनीक के बारे में दी जानकारी ● मोदी-पुतिन मुलाकात से भड़के जेलेंस्की बोले-सबसे बड़े खूनी से मिले

मास्को (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस दौरे के दूसरे दिन राष्ट्रपति पुतिन के साथ शिखर वार्ता में हिस्सा लिया। इस दौरान पुतिन ने कहा, यूक्रेन संकट का जो आप हल निकलने की कोशिश करते हैं हम उसके आभारी हैं। हम एक-दूसरे को काफी समय से जानते हैं। मुझे पहले से पता था कि आपका जीवन भारत के विकास के लिए समर्पित है। वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा, हम चालिस साल से आतंकवाद को भुगत रहे हैं। ये भयानक और घिनौना होता है। हम मॉस्को पर हुए हमले के दर्द को समझते हैं। हम हर तरह के आतंक की निंदा करते हैं। इससे पहले मोदी ने विश्वयुद्ध के दौरान शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि दी है। इसके बाद वे रूस के एटम पवेलियन पहुंचे।

पुतिन ने मोदी को रूस का सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया

रूस ने मंगलवार, 9 जुलाई को मॉस्को में पीएम नरेंद्र मोदी को देश का सर्वोच्च सम्मान 'ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टल' से नवाजा। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने खुद उन्हें सम्मानित किया।

● हमारे त्योहारों को रूसी दोस्त भी मनाते हैं

मोदी ने कहा- पिछले महीने इंटरनेशनल योग दिवस पर रूस में हजारों लोगों ने पार्टिसिपेट किया। हमारे त्योहारों को रूसी दोस्त भी मनाते हैं। ये पीपल टु पीपल कनेक्ट सरकार के दायरे से काफी ऊपर होता है। पीएम मोदी ने कहा- मैं अपने मित्र पुतिन की सराहना करूंगा। उन्होंने बीते सालों में दोनों देशों के रिश्तों के लिए जो काम किया है, उसकी सराहना करता हूं। हमारी मुलाकात 17 बार हुई है। जब हमारे स्टूडेंट संघर्ष में फंसे तो पुतिन ने उन्हें देश लौटाने में मदद की। इसके लिए मैं उनका आभार व्यक्त करता हूं। हमारे नौजवान बड़ी संख्या में आते हैं।

● सिर पर लाल टोपी रूसी, फिर भी दिल है हिंदुस्तानी

रूस भारत का भरोसेमंद दोस्त है। हमारे रूसी दोस्त इसे दुधवा कहते हैं, हम इसे दोस्ती कहते हैं। रूस में सर्दी के मौसम में टेंपरेचर कितना भी माइनस में चला जाए दोनों देशों की दोस्ती गर्मजोशी के चलते प्लस में रही है। हमारा रिश्ता म्युचल रिस्पेक्ट पर टिका है। घर-घर में गाना गाया जाता है- सिर पर लाल टोपी रूसी, फिर भी दिल है हिंदुस्तानी। ये गाना भले ही पुराना हो गया हो पर सेंटीमेंट अब भी एवरग्रीन है।

यूपी एसआईटी रिपोर्ट में भी भोले बाबा को क्लीनचिट

हाथरस हादसे पर योगी का पहला ऐक्शन, एसडीएम समेत 6 अफसर सस्पेंड

लखनऊ/ हाथरस (एजेंसी)। हाथरस हादसे के 7 दिन बाद क्र सरकार ने पहला ऐक्शन लिया। सरकार ने 6 अफसरों को सस्पेंड कर दिया है। सरकार ने एसआईटी की रिपोर्ट के बाद यह कार्रवाई की। एसआईटी ने सोमवार रात सीएम योगी को 900 पेज की रिपोर्ट सौंपी थी। सरकार ने एसआईटी रिपोर्ट में से 9 पॉइंट पर एक विज्ञप्ति जारी की, जिसमें कहीं भी भोले बाबा का नाम नहीं है। आयोजकों और प्रशासनिक अधिकारियों को लापरवाह बताया गया। इस तरह जिला प्रशासन के बाद सरकार से भी भोले बाबा को क्लीन चिट मिल गई है। उसका नाम एसआईटी में भी नहीं था। जिन अफसरों को सस्पेंड किया गया, उनमें रविंद्र कुमार,आनंद कुमार के अलावा इंस्पेक्टर आशीष कुमार, तहसीलदार सुशील कुमार और चौकी इंचार्ज कचौरा मनवीर सिंह और पारा चौकी इंचार्ज बृजेश पांडे शामिल हैं। इधर, हाथरस हादसे का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है।

मंगलवार को याचिकाकर्ता वकील विशाल तिवारी से चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा- मैंने कल ही याचिका को लिस्टेड करने का आदेश दिया। याचिका में हादसे की जांच रिटायर्ड जस्टिस की निगरानी में पांच सदस्यीय टीम से कराने की मांग की गई थी। एसआईटी ने रिपोर्ट में कहा- हादसे में साजिश से इनकार नहीं किया जा सकता है। इसकी गहनता से जांच जरूरी है। हादसा आयोजकों की लापरवाही से हुआ। पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने आयोजन को गंभीरता से नहीं लिया। वरिष्ठ अफसरों को इसकी जानकारी तक नहीं दी गई। भीड़ के लिए पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम नहीं किए गए। आयोजकों ने बिना पुलिस वैरिफिकेशन जिन लोगों को अपने साथ जोड़ा, उनसे अव्यवस्था फैली है। जांच के दौरान 150 अफसरों,

कर्मचारी और पीड़ित परिवारों के बयान दर्ज किए गए। एसआईटी ने कहा- एसडीओ, एचओ, तहसीलदार, इंस्पेक्टर, चौकी इंचार्ज ने अपनी जिम्मेदारी में लापरवाही की। इन्होंने बिना कार्यक्रम स्थल का मुआयना किए अनुमति दी। सीनियर अफसरों को भी जानकारी नहीं दी। घटनास्थल पर बैरिकेडिंग की व्यवस्था भी नहीं थी। रिपोर्ट में यह बात भी सामने आई कि आयोजकों ने तथ्यों को छिपाकर कार्यक्रम की अनुमति ली। आयोजकों ने पुलिस के साथ दुर्व्यवहार किया। पुलिस को कार्यक्रम स्थल पर निरीक्षण से रोकने का प्रयास किया। हादसे के बाद आयोजक मंडल के सदस्य घटनास्थल से भाग गए। सीएम ने हादसे के 24 घंटे में रिपोर्ट तलब की थी। हालांकि एसआईटी ने जांच पूरी करने में 6 दिन लगा दिए। आगरा जोन की अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अनुपम कुलश्रेष्ठ एसआईटी प्रमुख हैं। 2 जुलाई को मुगलगढ़ी गांव में हुई भगदड़ में 123 लोगों की मौत हुई।

बढ़ती मुस्लिम आबादी से धार्मिक और क्षेत्रीय असंतुलन का खतरा

आरएसएस के मुखपत्र ऑर्गनाइजर ने चेताया, की राष्ट्रीय जनसंख्या नीति की वकालत

मुख्य लेख में लिखा-जनसांख्यिकी परिवर्तन से बढ़ेगी सामाजिक व आर्थिक असमानता

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरएसएस से जुड़ी पत्रिका ऑर्गनाइजर ने अपने लेख में राष्ट्रीय जनसंख्या नीति की मांग की है। इसमें कहा गया है कि इससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि जनसांख्यिकीय परिवर्तन किसी भी धार्मिक समुदाय या क्षेत्र को असंगत रूप से प्रभावित न करें। लेख में जनसांख्यिकी परिवर्तन को देखते हुए सामाजिक-आर्थिक असमानताएं और राजनीतिक संघर्ष होने की आशंका जताई गई है। ऑर्गनाइजर ने बढ़ती मुस्लिम आबादी और कम जन्म दर के संदर्भ में जनसंख्या असंतुलन का मुद्दा उठाया है। इस साथ ही इससे

परिसीमन के दौरान पश्चिमी और दक्षिणी राज्य नुकसान की बात कही गई है। पीएम मोदी के तीसरे कार्यकाल के दौरान परिसीमन होने की उम्मीद है। डेमोग्राफी, डेमोक्रेसी और डेस्टिनी शीर्षक वाले लेख में साफ कहा गया है कि जनसंख्या वृद्धि का एक और महत्वपूर्ण आयाम धार्मिक और क्षेत्रीय दोनों ही दृष्टियों से असंतुलन है। राष्ट्रीय स्तर पर जनसंख्या स्थिर होने के बावजूद, यह सभी धर्मों और क्षेत्रों में समान नहीं है। कुछ क्षेत्रों, विशेषकर सीमावर्ती जिलों में मुस्लिम जनसंख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

राहुल, ममता समेत द्रविड़ दलों पर निशाना

लेख में आगे कहा गया है कि राहुल गांधी जैसे राजनेता कभी-कभी हिंदू भावनाओं का अपमान करने का जोखिम उठा सकते हैं। ममता इस्लामवादियों द्वारा महिलाओं पर अत्याचारों को स्वीकार करने के लिए भी मुस्लिम कार्ड खेल सकती हैं। द्रविड़ पार्टियां जनसंख्या असंतुलन के साथ विकसित तथाकथित अल्पसंख्यक वोट-बैंक के एकीकरण पर विश्वास करके सनातन धर्म को गाली देने में गर्व महसूस कर सकती हैं। लेख के अनुसार विभाजन की भयावहता और पश्चिम एशियाई और अफ्रीकी देशों से राजनीतिक रूप से सही लेकिन सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से गलत प्रवासन के साथ जो हो रहा है, उससे सीखते हुए, हमें इस मुद्दे को तत्काल हल करना होगा। इस बात को विभिन्न राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रस्तावों और न्यायिक घोषणाओं द्वारा बताया गया है।

अनुप्रिया और राजभर बढ़ा रहे योगी सरकार की मुश्किल!

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में भाजपा को लोकसभा चुनाव में 33 सीटें ही मिल पाईं। इस तरह 2019 के 62 के मुकाबले पार्टी को 29 सीटें कम मिली हैं। इसके बाद से ही मंथन का दौर जारी है। यही नहीं लोकसभा चुनाव के बाद कुछ घटनाक्रम ऐसे रहे हैं, जिसके चलते योगी सरकार की भी मुश्किलें बढ़ रही हैं। यह बात हाईकमान तक भी पहुंचाई गई है। पिछले दिनों भाजपा के सहयोगी दलों अपना दल, निषाद पार्टी और ओमप्रकाश राजभर की सुभासपा ने कुछ ऐसे बयान दिए थे, जिससे योगी सरकार के लिए मुश्किले दिखीं।

अनुप्रिया पटेल ने तो सीधे सीएम योगी को पत्र लिखा था और कहा कि राज्य सरकार की नौकरियों में ओबीसी वर्ग के छात्रों का चयन नहीं हो पा रहा है। उनकी शिकायत थी कि इंटरव्यू में उन्हें पास नहीं किया जा रहा। इसके अलावा उन्होंने 69,000 शिक्षकों की भर्ती के मामले में भी ओबीसी अभ्यर्थियों के साथ गड़बड़ी का आरोप लगाया था।

मुंबई हिट एंड केस का मुख्य आरोपी मिहिर शाह गिरफ्तार

घटना के 60 घंटे बाद कार्रवाई, महिला को 1.5 किमी घसीटने के बाद रोकी थी कार

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई बीएमडब्ल्यू हिट एंड रन केस के मुख्य आरोपी मिहिर शाह को मंगलवार दोपहर को गिरफ्तार कर लिया। मिहिर की गिरफ्तारी घटना के करीब 60 घंटे बाद हुई। मिहिर, शिवसेना नेता राजेश शाह का बेटा है। मिहिर को पकड़ने के लिए मुंबई पुलिस ने 11 टीमें बनाई थीं।

साथ ही क्राइम ब्रांच को भी शामिल किया। उसके खिलाफ एक लुक आउट सर्कुलर भी जारी किया गया था। इससे पहले वर्ली पुलिस ने पिता राजेश शाह और ड्राइवर राजऋषि राजेंद्र सिंह बीदावत को गिरफ्तार कर किया था। दोनों को 8 जुलाई को सेवरी कोर्ट में पेश किया गया था।

कोर्ट ने सुनवाई के बाद राजेश को शाह को ज्यूडीशियल कस्टडी और ड्राइवर बीदावत को एक दिन की पुलिस रिमांड में भेजा था। राजेश ने कोर्ट में जमानत याचिका लगाई थी, जिस पर कोर्ट ने उसे 15 हजार रुपए के बेल बॉन्ड पर जमानत दे दी थी। पुलिस के मुताबिक बीएमडब्ल्यू जहां से निकली, वहां से मिले सीसीटीवी फुटेज में यह दिखा कि मिहिर शाह ने मरने वाली कावेरी नखवा को 1.5 किलोमीटर तक घसीटने के बाद कार रोकी थी।

चिराग पासवान पर मेहरबान नीतीश, रामविलास वाला ऑफिस वापस मिला, पशुपति पारस ने किया था कब्जा

पटना, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री एवं लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास (एलजेपी-आर) के प्रमुख चिराग पासवान को अपने पिता दिवंगत रामविलास पासवान का पटना वाला पार्टी दफ्तर वापस मिल गया है। रामविलास के निधन के बाद चिराग के चाचा पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस ने लोजपा तोड़कर इस दफ्तर पर कब्जा कर लिया था। यहां पर पारस की राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (रालोजपा) का ऑफिस चल रहा था। बिहार की नीतीश सरकार ने इसे अब चिराग पासवान की लोजपा (रामविलास) को आवंटित कर दिया है। दो दिन पहले चिराग ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात भी की थी। बिहार के भवन निर्माण विभाग की ओर से पूर्व में लोजपा को दिए गए इस परिसर का आवंटन पहले ही रद्द किया जा चुका है। यह परिसर पटना एयरपोर्ट के पास शहीद पीर अली खान मार्ग पर स्थित आवास संख्या-1, व्हीलर रोड पर स्थित है। सोमवार को भवन निर्माण विभाग के उप सचिव ने चिराग पासवान की पार्टी को यह परिसर आवंटित करने के संबंध में कार्यालय आदेश जारी कर दिया। आदेश के अनुसार 4 जुलाई 2024 को लोजपा (रामविलास) की ओर से पार्टी कार्यालय के आवासीय परिसर के उपयोग के लिए अनुरोध किया गया था। केंद्रीय पुल के इस परिसर को सशर्त अस्थायी रूप से आवंटित किया गया है। बिना अनुमति के परिसर में किसी प्रकार का परिवर्तन नहीं किया जा सकेगा। वहीं, राजनीतिक पार्टियों की ओर से कार्यालय के लिए आवासीय भवन का मानक किराया से दस गुना किराया भुगतान करना होगा।

लोजपा में टूट के बाद से पारस गुट के पास था पटना ऑफिस, नीतीश सरकार ने खाली करवाया

लोजपा के संस्थापक दिवंगत रामविलास पासवान के निधन के बाद 2021 में उनकी पार्टी में टूट हो गई। रामविलास के भाई पशुपति पारस ने चार अन्य सांसदों को अपने साथ लेकर चिराग पासवान को अलग-थलग कर दिया था। इसके बाद रालोजपा और लोजपा रामविलास के रूप में दो दल बने, पहले की कमान चाचा पारस और दूसरे की भतीजे चिराग ने संभाली। टूट के बाद पशुपति पारस ने लोजपा के पटना स्थित पुराने दफ्तर पर भी कब्जा जमा लिया था। वहीं, चिराग पासवान के गुट को पटना में दूसरी जगह अपना नया ऑफिस खोलना पड़ा।

पशुपति पारस को नीतीश सरकार से झटका, पटना में रालोजपा का दफ्तर खाली करने का आदेश जारी

पिछले महीने नीतीश सरकार ने पशुपति पारस की रालोजपा को नोटिस जारी कर पटना वाला यह दफ्तर खाली करने को कहा। भवन निर्माण विभाग ने बताया कि इस दफ्तर का नवीनीकरण साल 2019 से लंबित है। नियमों के अनुसार राजनीतिक दलों को दो साल के लिए कार्यालय चलाने के लिए भवन आवंटित किया जाता है। अगर इसे आगे बढ़ाना है तो पार्टियों को हर बार रिन्यू कराना होता है। पशुपति पारस की ओर से व्हीलर रोड वाले दफ्तर को एक बार भी रिन्यू नहीं कराया गया। इस कारण उन्हें भवन खाली करना पड़ा, जिसे अब चिराग पासवान की पार्टी को आवंटित कर दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

पंडारक में युवक की गला काटकर हत्या, खेत में मिला शव

पटना, एजेंसी। पंडारक थाना क्षेत्र के हाफिजपुर करमौर गांव में प्रवासी मजदूर 20 वर्षीय युवक रौतम कुमार की रविवार की रात को गला रेत कर हत्या कर दी गई। घटना को अंजाम मकई के खेत में दिया गया है। घटनास्थल पर खून बिखरा हुआ पाया गया। मौके पर ब्लेड का एक पैकेट मिला है। घटना की सूचना पर पंडारक थाने की पुलिस पहुंचकर छानबीन में जुट गई है। परिजनों ने बताया कि रविवार को 3 बजे दोपहर में उसके कुछ दोस्तों ने फोन करके घर से बुलाया था। जब वह काफी देर रात घर नहीं लौटा तो खोजबीन शुरू की गई। सोमवार की सुबह में परिजनों को पता चला कि पंडारक के हाफिजपुर करमौर गांव के एक मकई के खेत में एक शव फेंका हुआ है। हाफिजपुर करमौर में ही मृतक का ननिहाल भी है। वह ननिहाल भी गया था। परिजन जब वहां पहुंचे तो मृतक को देखकर स्तब्ध रह गए। मृतक की पहचान बाढ़ थाना क्षेत्र के अगवानपुर निवासी उमेश महतो के पुत्र रौतम कुमार के रूप में की गई है। रौतम सूरत में मजदूरी करता था ।कुछ दिन पहले ही वह गांव आया था ।पुलिस शव का पोस्टमार्टम कराया है। इधर परिजन उसके दोस्त पर ही हत्या का आरोप लगा रहे हैं। 4 घंटे के बाद पुलिस की फोरेंसिक जांच टीम मौके पर पहुंची। जांच पड़ताल के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। परिजनों का कहना है कि हत्या मोबाइल के लिए हुई है। जबकि ग्रामीणों का कहना है कि स्मैक पीने वाले गिरोह ने इस घटना को अंजाम दिया है। इस संबंध में थानाध्यक्ष रवि रंजन से संपर्क करने का प्रयास किया गया। लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया। मामले को लेकर परिजनों के बयान पर केस दर्ज किया जा रहा है। कई लोगों से पूछताछ की गई है। हत्या का मुख्य कारण क्या है, यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस की जांच पड़ताल के बाद ही हत्या के कारणों का पता चल सकेगा। बाढ़ एएसपी ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह बात सामने आई है कि कुछ परिचित युवक ही रौतन को अपने साथ ले गये थे। वहां मोबाइल को लेकर रौतन और युवकों के बीच झगड़ा हुआ। परिजनों ने एक पर नामजद व अज्ञातों के उपर केस दर्ज करवाया है। पुलिस आरोपितों की तलाश में अलग-अलग जगहों पर छापेमारी कर रही है।

जिला में आठ सितंबर को होगी क्षेत्रीय सम्मान रैली

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। क्षत्रीय सम्मान रैली आगामी आठ सितंबर को मुजफ्फरपुर में होगी। जीरोमाइल में सोमवार को श्री राजपूत करणी सेना की बैठक हुई, जिसमें अगामी सम्मेलन की तैयारी पर चर्चा की गयी। मीडिया प्रभारी विवेक कुमार ने बताया कि इस रैली में क्षत्रीय समाज का महाजुटान होगा। बैठक में राजपूत करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष अमित सिंह की अनुशंसा पर जिले के संजीव सिंह को बिहार प्रदेश सचिव व यशवंत सिंह को जिला सचिव के पद पर मनोनीत किया गया। बैठक में नरेंद्र सिंह, कुंवर रोहित राजपूत, गौरव सिंह नरगी, अमित सिंह नरगी, प्रियांशु सरकार, राणा ब्रजेश सिंह, अंतेश सिंह, विवेक कुमार, धीरज शाही आदि सदस्य उपस्थित थे।

अनुशासनहीनता के आरोप में दो कांग्रेसी पदाधिकारी निष्कासित

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। पार्टी विरोधी गतिविधियों और अनुशासनहीनता के आरोप में जिला कांग्रेस ने अपने दो पार्टी पदाधिकारियों को सोमवार को निष्कासित कर दिया। इनपर मुजफ्फरपुर और वैशाली संसदीय चुनावों के दौरान पार्टी और गठबंधन के अधिकृत उम्मीदवारों के विरूद्ध चुनाव लड़ने का आरोप है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष अरविंद कुमार मुकुल ने बताया कि हार की समीक्षा के दौरान जितेन्द्र मंडल और हरिनारायण राम की भूमिका पार्टी विरोधी गतिविधियों को लेकर काफी गंभीर मानी गई। इसकी रिपोर्ट प्रदेश अनुशासन समिति को भेजते हुए इनपर कारवाई की मांग की गई थी। समिति के निर्देश पर इनपर यह कारवाई की गई है। मुकुल ने बताया कि जितेन्द्र मंडल ने लोकसभा चुनाव में मुजफ्फरपुर से कांग्रेस प्रत्याशी अजय निषाद के खिलाफ निर्दलीय चुनाव लड़ा था। मंडल पूर्व में कांग्रेस पार्टी के पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय संयोजक रहने के अलावा इसी प्रकोष्ठ के झारखंड प्रभारी भी रहे चुके हैं। संसदीय चुनावों के ठीक पहले हुए फेरबदल में उनको इस जवाबदेही से मुक्ति दी गई थी। वहीं हरिनारायण राम ने वैशाली लोकसभा क्षेत्र से इण्डिया गठबंधन से राजद प्रत्याशी विजय कुमार शुक्ला उर्फ मुन्ना शुक्ला के खिलाफ निर्दलीय ताल ठोका था। राम भी जिला स्तरीय पदाधिकारी रह चुके हैं।

बेगूसराय में कार-ऑटो की टक्कर में 5 की मौत:1 मिनट पहले भी ओवरटेक के दौरान टकराए, दूसरी बार में पलटा ऑटो

बेगूसराय, एजेंसी। बेगूसराय में मंगलवार की सुबह ऑटो और कार की टक्कर में 5 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में सभी ऑटो सवार हैं। कार में बैठे 3 लोग घायल हैं। हादसे के बाद लोगों के शव ऑटो में फंस गए। बताया जा रहा है कि सभी लोग हाथीदह जंक्शन से बेगूसराय के लिए ऑटो से निकले थे। ह॥-31 फोरलेन पर बीहट रतन चौक के पास कार और ऑटो में टक्कर हो गई। ऑटो में 11 लोग सवार थे। हादसे से 1 मिनट पहले कार ने ऑटो को ओवरटेक करने की कोशिश की, लेकिन वो नहीं कर पाया। इसके बाद कार ने फिर ओवरटेक करना चाहा, इसी दौरान कार की बॉडी ऑटो से टकराई और ज्यादा स्पीड होने की वजह से ऑटो पलट गया। फिलहाल, मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है।

एक ही साइड से आ रही थी दोनों गाड़ियां

प्रत्यक्षदर्शी चंदन कुमार झा ने बताया कि दोनों गाड़ी एक ही साइड से आ रही थी। ओवरटेक करने के दौरान ये हादसा हुआ। हादसे से कुछ दूर पहले कार ने ऑटो को ओवरटेक करने की कोशिश की, लेकिन वो नहीं कर पाया। इसके बाद गुस्से में उसने गाड़ी ओवरटेक करने की कोशिश की। जिससे कार ऑटो से टकरा गई।

दिल्ली से हाथीदह पहुंचे थे सभी

ऑटो में बैठे बबूल शर्मा ने बताया ने ऑटो में सफेद कार ने ठोकर मार दी। हम आगे वाली सीट पर बैठे हुए थे। दिल्ली से हम ट्रेन से आए थे। सारी सवारी अलग-अलग थी। विक्रम शीला ट्रेन से आए थे। ऑटो में 11 लोग सवार थे। इसमें से किसी को पहचानते नहीं थे। 4 बजे के करीब ट्रेन स्टेशन पर आई थी।

मरने वालों में ये शामिल

35 साल के सिंटू कुमार शाम्हो थाना क्षेत्र के बिजुलिया गांव के रहने वाले थे। वे दिल्ली में ड्राइवर की नौकरी करते थे। कल उनके साढू की लड़की की शादी थी, इसी में शामिल होने के लिए आ रहे थे। दूसरे मृतक की पहचान नालंदा के पुआरी गोनामा गांव निवासी सुनील पाठक के बेटे विक्की पाठक(26) के रुप में हुई है। विक्की दिल्ली एम्स में कैंसर विभाग में नौकरी करता था। कल उसके साले की शादी थी। उसमें शामिल होने के लिए अपने ससुराल मटिहानी आ रहा था।

तीसरे मृतक की पहचान बखरी थाना क्षेत्र के छोटी मौजी निवासी अमनदीप कुमार (22) के रूप में हुई है। वो अपने मामा नीतीश कुमार (24) गढ़पुरा थाना क्षेत्र के कुंवरटोल निवासी के साथ पटना से वापस लौट रहे थे। दोनों की हादसे में मौत हो गई। पांचवां मृतक छौड़ाही थाना क्षेत्र के राजोपुर बेंगा गांव का निवासी स्वर्गीय रमाकांत दास के बेटे गौतम कुमार रजनीश(25) के रूप में हुई है। गौतम ओडिशा में टाइल्स का काम करता था। 11 जुलाई उसके बड़े भाई चंदन कुमार की शादी है, उसमें शामिल होने के लिए आ रहा था।

भारत इकॉनोमी पर जितना जोर लगा रहा है, उतना ही ध्यान इकोलॉजी पर भी देता है : राधा मोहन सिंह

महोत्सव . एनडीए सरकार में भारत दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनी

मोतिहारी, एजेंसी। शहर के एमजेके गर्ल्स इंटर कॉलेज में 75वें वन महोत्सव का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन सांसद सह पूर्व केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री राधा मोहन सिंह ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद ने कहा कि बेटियां आने वाले देश की भाग्य निर्माता और देश का भविष्य हैं। पेड़ पौधे के महत्व पर बोलते हुए कहा कि एक पेड़ में इतनी क्षमता होती है कि वह आपको रोटी, कपड़ा और मकान सब की पूर्ति करता है। नारियल का पेड़ आपको खाने के लिए नारियल, पीने के लिए नारियल पानी, खाना बनाने या दूसरे उपयोग के लिए नारियल का तेल और साफ सफाई के लिए झाड़ू प्रदान करता है। कहा कि प्राण वायु आक्सीजन भी प्रदान करता है। यह कितना महत्वपूर्ण है इसको कोरोना महामारी समय सब ने देखा है। सरकार की तरफ से इस प्रकृति को बचाने के लिए बहुत सारे अभियान चलाए जा रहे हैं। इसमें नगर वन योजना, ग्रीन इंडिया मिशन, ग्रीन हाईवे मिशन महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से एक पेड़ मां के नाम चलाया गया है। आप सभी अपने जीवन में सभी शुभ अवसर पर एक पेड़ जरूर लगाएं और उसे बचाए। वेदों में भी कहा गया है पौधरोपण धर्म महान एक वृक्ष 10 पुत्र समान। कहा कि भारत की हजारों वर्ष पुरानी संस्कृति के दर्शन में ही प्रकृति भी है। इसी प्रेरणा से आज भारत, इकॉनॉमी पर जितना जोर लगाता है, उतना ही ध्यान इकॉलॉजी पर भी देता है। भारत आज अपने इंफ्रास्ट्रक्चर पर अभूतपूर्व इंवेस्ट कर रहा है, तो इनवायरमेंट पर भी उतना ही फोकस है। अगर एक तरफ भारत ने 4जी और 5जी कनेक्टिविटी का विस्तार किया, तो दूसरी तरफ अपने फारेस्ट कवर को भी बढ़ाया है। भारत ने गरीबों के लिए 4 करोड़ घर बनाए तो वहीं भारत में वन्य जीवन और वन्य जीवन अभयारण्य की संख्या में भी रिकॉर्ड वृद्धि की। भारत आज एक तरफ जल जीवन मिशन चला रहा है, तोवहीं दूसरी तरफ हमने जल सुरक्षा के लिए 50 हजार से ज्यादा अमृत सरोवर तैयार किएहुए हैं। एक तरफ भारत दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना है तो वो रीन्यूएबल एनर्जी में टॉप-5 देशों में भी शामिल हुआ है।

सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल व ध्यानचंद हॉकी प्रतियोगिता 13 को

भागलपुर, एजेंसी। जिला स्तरीय सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल एवं मेजर ध्यानचंद हॉकी प्रतियोगिता 13 जुलाई को सुबह 9 बजे से सैंडिस मैदान में शुरू होगी। फुटबॉल प्रतियोगिता अंडर 15 और अंडर 17 में होगी। जबकि हॉकी प्रतियोगिता केवल अंडर 17 में होगी। इस प्रतियोगिता की विजेता टीम राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में भागलपुर का प्रतिनिधित्व करेगी। जिला खेल पदाधिकारी जयनारायण कुमार ने बताया कि राज्यस्तरीय अंडर 17 फुटबॉल प्रतियोगिता मुंगेर में और अंडर 15 बालक वर्ग भागलपुर में होगी। वहीं हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन खगड़िया में होगा। जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यालय को खिलाड़ियों का योग्यता फॉर्म, पिछले वर्ष का अंक पत्र एवं आधार कार्ड की छायाप्रति संलग्न करते हुए विद्यालय प्रधानाध्यापक से अग्रसारित फार्म जिला खेल कार्यालय में 12 जुलाई तक जमा करना अनिवार्य है। वहीं जिला स्तरीय सुब्रतो फुटबॉल प्रतियोगिता में भाग लेने वाले जिले के विद्यालय को इंटरनेशनल सुब्रतो मुखर्जी के वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य होगा। भाग लेने वाले विद्यालय के खिलाड़ियों के पास खेल पोशाक, जूते या बूट इत्यादि का होना अनिवार्य होगा। अंडर 17 आयु वर्ग में जिन खिलाड़ियों का जन्म तिथि 1 जनवरी 2008 या इसके बाद होगा, वही भाग ले सकेंगे। अंडर 15 में जिन खिलाड़ियों की जन्म तिथि 1 जनवरी 2010 या उसके बाद का होगा। वही खिलाड़ी भाग ले सकेंगे। जिला स्तर पर विजेता खिलाड़ियों को मेडल, ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र तथा राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित खिलाड़ियों को खेल पोशाक दिया जाएगा।

अच्छे शोध से बढ़ती है विवि की प्रतिष्ठा : वीसी

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। बीआरएबीयू के कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र राय सोमवार को दो पीएचडी वाइवा में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय रिसर्च की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए वह कृत संकल्पित हैं, क्योंकि उच्च श्रेणी के रिसर्च ही विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा बढ़ाते हैं। उन्होंने कहा कि केवल डिग्री पाने या प्रोन्नति के लिए किए जाने के बजाय अनुसंधान का हमेशा समाज पर सार्थक प्रभाव होना चाहिए। अनुसंधान का अंतिम लक्ष्य नए ज्ञान और समाधान उत्पन्न करना होना चाहिए जो लोगों को विभिन्न तरीकों से लाभान्वित कर सके। शोधकर्ता सामाजिक मुद्दों को संबोधित कर, समग्र कल्याण को बढ़ाकर और समाज पर सकारात्मक प्रभाव देने पर ध्यान केंद्रित करके ही रिसर्च के असली उद्देश्य को प्राप्त कर सकते हैं। कुलपति ने शोधार्थियों से रिसर्च टॉपिक पर क्वालिटी रिसर्च पेपर प्रकाशित करने तथा संबंधित विषय पर आगे भी काम करते रहने का निर्देश देते हुए कहा कि पीएचडी डिग्री मिलना रिसर्च का बस एक पड़ाव है।

बिहार में शिक्षकों की तबादला नीति पर काम शुरू, कमिटी की पहली बैठक 11 जुलाई को

पटना, एजेंसी। बिहार में शिक्षकों के ट्रांसफर और पोस्टिंग नीति पर काम शुरू हो गया है। इसे लेकर लेकर बनी कमिटी की पहली बैठक 11 जुलाई को होगी। शिक्षा विभाग द्वारा गठित कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर ही शिक्षकों के स्थानांतरण और सक्षमता परीक्षा उत्तीर्ण नियोजित शिक्षकों के पदस्थापन जैसे मुद्दों पर निर्णय लिया जाएगा। इस कमिटी का इसी महीने 2 जुलाई को गठन हुआ था, जिसे रिपोर्ट देने के लिए 15 दिनों का समय दिया गया है। शिक्षा विभाग के सचिव बैद्यनाथ यादव की अध्यक्षता में यह कमेटी गठित है। कमिटी इन मामलों के अलावा अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति, अवकाश तालिका के निर्माण और बिहार शिक्षा सेवा के कैडर के पुनर्गठन पर भी रिपोर्ट देगी। कमिटी की रिपोर्ट आने के बाद विभाग के अपर मुख्य सचिव एस सिद्धार्थ और फिर शिक्षा मंत्री सुनील कुमार के स्तर पर इसकी समीक्षा की जाएगी। इसके बाद अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

जब अचानक स्कूल पहुंच गए एस सिद्धार्थ, बच्चों की कॉपियां चेक कीं: बता दें कि बिहार में एक लाख 87 हजार नियोजित शिक्षक सक्षमता परीक्षा पास कर चुके हैं, जिनका पदस्थापन किया जाना है। आगामी दिनों में आयोजित होने वाली परीक्षा में और भी नियोजित शिक्षक पास होंगे, जिनकी भी पोस्टिंग की जाएगी। ऐसे में इन शिक्षकों को शिक्षा विभाग के फैसले का बेसब्री से इंतजार है। उम्रदराज शिक्षक एवं महिला टीचर ने सरकार से उन्हें दूसरे जिलों में पोस्टिंग न देने का अनुरोध भी किया था। कमिटी इन सभी पहलुओं पर गौर करके अपनी रिपोर्ट देगी। शिक्षा विभाग के सचिव ही अभी माध्यमिक शिक्षा निदेशक के प्रभार में हैं।

नवोदय विद्यालय के छात्र का पेड़ से लटका मिला शव:मौके से मोबाइल बरामद

पिता ने जताई हत्या की आशंका ; कहा–बेटा सुसाइड नहीं कर सकता

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया में जवाहर नवोदय विद्यालय के 10वीं के छात्र का शव हॉस्टल की छत से लगे आम के पेड़ से लटका मिला। शव रस्सी से लटका था। शव के पास से एक मोबाइल भी बरामद किया गया है। सोमवार की सुबह हॉस्टल के बच्चों ने पेड़ से लटका शव देखा। इसकी सूचना विद्यालय. प्रशासन को दी। फिर विद्यादल प्रशासन ने शव को नीचे उतारा और आनन-फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचा। यहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इसके बाद विद्यालय प्रशासन ने पुलिस को सूचना दी। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। फॉरेंसिक टीम भी विद्यालय पहुंची और छानबीन की। मृतक छात्र की पहचान बनमनखी थाना क्षेत्र के धोकरधारा गांव निवासी पंकज कुमार चौधरी के 15 वर्षीय बेटे गौरव कुमार के रूप में हुई है। मृतक छात्र के भाई भी इसी स्कूल में 8वीं क्लास में पढ़ता है। मृतक के पिता ने हत्या की आशंका जताई है।

कुछ बच्चे दौड़ते हुए आए मेरे पास-प्रधानाचार्य : जवाहर नवोदय विद्यालय के प्राचार्य प्रकाश शर्मा ने बताया कि बच्चे मेरे पास दौड़ते हुए आए और कहा कि एक छात्र छत से लटका हुआ है। गाड़ी की व्यवस्था कर उसे अस्पताल पहुंचा, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। फिर पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई।

भाई की किसी से कोई दुश्मनी नही : छोटे भाई प्रिंस कुमार ने बताया कि सोमवार की सुबह साढ़े सात बजे विद्यालय के सीनियर छात्र बाबुल ने सूचना दी। तुम्हारे बड़े भाई के साथ कुछ घटना हो गई है। भइया अपनी सारी बातें मुझे बताते थें। रविवार को भी उनसे बात हुई। वह काफी खुश नजर आ रहे थे। भाई की किसी भी छात्र से कोई दुश्मनी नहीं थी।

आत्महत्या का रूप दिया जा रहा : पिता पंकज कुमार चौधरी ने बताया कि साजिश के तहत हत्या की गई है और फिर उसे आत्महत्या का रूप दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मेरे बेटे के पास रस्सी कहां से आई। पुलिस ने जो मोबाइल बरामद किया है, वह किसका है। विद्यालय प्रशासन ने तत्काल पुलिस और हमे सूचना क्यों नहीं दी। मेरे छोटे बेटे प्रिंस कुमार को शव देखने क्यों नहीं दिया गया। मेरा बेटा गौरव कुमार काफी मिलनसार और मेधावी छात्र था। उसका किसी के साथ कोई विवाद नहीं था। वह इतना कमजोर भी नहीं था कि सुसाइड कर ले।

हत्या या आत्महत्या पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से पता चलेगा

सदर एसडीपीओ-2 डॉ. विमलेंदु कुमार गुलशन ने बताया कि हॉस्टल में रहने वाले साथी, विद्यालय के प्राचार्य और मृतक के छोटे भाई प्रिंस कुमार से गहन पूछताछ की गई है। पूछताछ के बाद छात्र के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए त्रस्ष्ट॥ पूर्णिया भेजा गया है। फॉरेंसिक टीम घटना की बारीकी से जांच कर रही है। आत्महत्या है या हत्या, इसका खुलासा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद होगा। पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है।

STONE CLINIC MOTIHARI

स्टोन क्लिनिक मोतिहारी

शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

संग्रामपुर स्वास्थ्य केंद्र पर बाढ़ पूर्व स्वास्थ्य सेवा तैयारियों का सीएस ने लिया जायजा

आशा और आशा फैसिलिटेटर के पास पर्याप्त मात्रा में ओआरएस व जिंक की गोली उपलब्ध

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के बाढ़ प्रभावित प्रखंड संग्रामपुर के स्वास्थ्य केंद्र का सिविल सर्जन डॉ. विनोद कुमार सिंह के नेतृत्व में एसीएमओ डॉ. श्रवण कुमार पासवान, महामारी पदाधिकारी डॉ. राहुल राज, प्रखंड के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. शीतल नुरूला, यूनिसेफ़ के प्रतिनिधि धर्मेंद्र कुमार व अन्य ने मंगलवार को निरीक्षण किया। इसके तहत जलजमाव से होने बीमारियों पर नियंत्रण हेतु आशा और आशा फैसिलिटेटर को पर्याप्त मात्रा में ओआरएस व जिंक की गोली उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। इसके साथ ही स्वास्थ्य केंद्रों में सभी आवश्यक दवाएँ उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। सिविल सर्जन ने कहा कि बाढ़ के पूर्व ही फैलने वाली बीमारियों की रोकथाम को लेकर जिले में पुख्ता इंतजाम करने के आदेश दिया गया है। बाढ़ के दौरान बीमार लोगों की इमरजेंसी चिकित्सीय सुविधा व आवश्यक दवा के साथ चिकित्सकों को भी अलर्ट मोड में रहने का निर्देश दिया गया है। महामारी पदाधिकारी डॉ. राहुल राज ने बताया कि जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों पर लगातार विभाग की नजर है। डायरिया व जलजनित रोगों के नियंत्रण हेतु जिले में ओआरएस एवं एन्टी-डायरियल व अन्य दवा प्रर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराया गया है। एम्बुलेंस को भी एक्टिव मोड में रखा गया है ताकि मरीजों को किसी प्रकार के आपातकालीन आवश्यकता होने पर जिला अस्पताल में रेफर किया जा सके। उन्होंने बताया कि बाढ़ के समय/पश्चात कुत्ता एवं सियार काटने की घटनाएं प्रायः बढ़ जाती है। सर्पदंश की घटनाओं में भी वृद्धि होती है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में मेडिकल व क्विक रिस्पॉन्स टीम का गठन करने समेत बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में चलन्त/स्थाई/अस्थाई चिकित्सा दल का गठन करने को कहा गया है। बाढ़ के पानी से घिरे गांव के लोगों के इलाज के लिए नौका औषधालय की व्यवस्था करने का भी निर्देश दिया गया है। सीएस ने कहा कि बच्चों व गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण बाधित न हो, इसकी व्यवस्था भी करने का निर्देश दिया गया है। मौके पर अधिकारियों के अलावा आशा, आशा फैसिलिटेटर व अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

जिलाधिकारी ने किया चकिया अनुमंडल कार्यालय का निरीक्षण

बीएनएम। मोतिहारी। जिलाधिकारी सौरव जोरवाल के द्वारा मंगलवार को अनुमंडल कार्यालय चकिया का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अनुमंडल कार्यालय के सभी शाखाओं का भ्रमण किया और कर्मियों की उपस्थिति सहित संचिकाओं के रख-रखाव की जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी के द्वारा आगत एवं निर्गत पंजी सहित सभी पंजियों का संधारण देखा गया। यहां पर कर्मियों के बैठने की व्यवस्था देखी गई और कार्यालय के साफ-सफाई सहित अन्य जरूरी निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने आरटीपीएस काउंटर का निरीक्षण किया और प्राप्त आवेदनों के निष्पादन की जानकारी प्राप्त की। यहां पर अनुमंडल परिसर की सुरक्षा के लिए दो सुरक्षा प्रहरी उपलब्ध कराने का निर्देश जिलाधिकारी के द्वारा दिया गया। संभावित बाढ़ से बचाव को लेकर किए गए कार्यों के बारे में भी जानकारी ली गई। अनुमंडल पदाधिकारी चकिया ने बताया कि यहां पर चकिया एवं केसरिया प्रखंड बाढ़ प्रवण क्षेत्र है जबकि मेहसी प्रखंड आंशिक रूप से बाढ़ प्रभावित होता है। बाढ़ से बचाव के लिए अंचल स्तर पर सभी तैयारी कर ली गई है। थाना, अंचल और अभियंत्रण सेल को विजिलेंट रखा गया है और जो भी निर्देश प्राप्त हो रहे हैं उसका अनुपालन सुनिश्चित कराई रही है। जिलाधिकारी के द्वारा अनुमंडल पदाधिकारी को क्षेत्र भ्रमण करने एवं बाढ़ की स्थिति पर लगातार नजर रखने का निर्देश दिया गया।

500 बच्चों को जिले से स्पॉन्सरशिप योजना का मिलेगा लाभ

बीएनएम। मोतिहारी। जिले में अनाथ बेसहारा गरीब परिवारों के बच्चों को पालन पोषण एवं देखरेख करने हेतु राज्य सरकार द्वारा एक बड़ा कदम उठाया गया है। उक्त के तहत स्पॉन्सरशिप योजना का लाभ 500 बच्चों को मिलेगा। पहले पूर्वी चंपारण जिला अंतर्गत सिर्फ 41 बच्चों को इस योजना का लाभ दिया जाना था। जिला बाल संरक्षण इकाई से विभिन्न टीमों को गठित कर सभी प्रखंडों में जागरूकता अभियान चलाकर इच्छुक लाभुकों का आवेदन संग्रहण करते हुए जिला बाल संरक्षण इकाई को उपलब्ध कराया जाना है। उक्त हेतु सभी आंगनबाड़ी केंद्र, प्रखंड कार्यपालक सहायक, सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी एवं चाईल्ड लाइन के कर्मियों को संबंधित कार्यालय द्वारा निदेश दिया गया है कि अधिकाधिक संख्या में इस योजना का लाभ उठाने के लिए आवेदन देने हेतु प्रेरित करे। इस योजना का लाभ डीबीटी के माध्यम 4000 रुपये प्रतिमाह आवेदक के संयुक्त बैंक खाता में 3 वर्ष तक या 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने तक दिया जा सकेगा ।

मोतिहारी पुलिस ने टॉप टेन अपराधी को किया गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी। एसपी कांतेश कुमार मिश्र को मिली गुप्त सूचना के सत्यापन के बाद उनके द्वारा गठित टीम को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने मुजफ्फरपुर जिला अंतर्गत औराई थाना के राज सिंह उर्फ बाबू साहेब को गिरफ्तार कर पूर्वी चंपारण जिले के मधुबन थाने के दो बड़ी कांडो का पटाक्षेप कर दिया है। इस संबंध में एसपी श्री मिश्र ने बताया कि सूचना मिली की टॉप टेन अपराधी में शामिल राज सिंह मुजफ्फरपुर स्टेशन परिसर में किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में है। नतीजतन त्वरित कार्रवाई के तहत मधुबन थानाध्यक्ष शैलेश कुमार एवं एसटीएफ की टीम को शामिल करते हुए छापेमारी कराई गई। जहां से वह गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार बदमाश के विरूद्ध मुजफ्फरपुर, नई दिल्ली व मधुबन थाना क्षेत्र में कुल 8 कांड दर्ज है। इनमें लूट, ठगी, आर्म्स एक्ट, डकैती आदि के आरोप है। उसने पुलिस को वर्ष 2021 में मधुबन थाना क्षेत्र में भारत फाईनेंस से 11 लाख रुपए की लूट की घटना में अपनी संलिप्ता स्वीकारी है। फिलहाल उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

बच्ची के साथ दुष्कर्म मामले में निजी शिक्षक को बीस वर्षों की सजा

बीएनएम। पूर्वी चंपारण

सप्तम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह पॉक्सो एक्ट के विशेष न्यायाधीश अवधेश कुमार ने एक बच्ची के साथ दुष्कर्म मामले में दोषी पाते हुए एक निजी शिक्षक को बीस वर्षों का सश्रम कारावास एवं पच्चीस हजार रुपए अर्थ दंड की सजा सुनायी है। अर्थ दंड नहीं देने पर एक वर्ष की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। सजा डुमरियाघाट थाना के नवीन गांधीनगर निवासी नागेंद्र पासवान के पुत्र प्रेम कुमार पासवान उर्फ रंजन पासवान को हुई। पीड़िता के पिता ने डुमरियाघाट थाना में मामला दर्ज कराया था, जिसमें कहा था कि 29 सितंबर 2018 की संध्या चार बजे प्रत्येक दिन की भांति वह नामजद अभियुक्त के यहां पढ़ने को कोचिंग गई थी। वह शाम को रोती बिलखती घर आई तो उसके कपड़े खून से भींगा हुआ था। पूछताछ करने पर वह बताई कि उसके कोचिंग के शिक्षक ने उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया और जान

मारने का प्रयास किया। वह जान बचाकर किसी तरह वहां से भाग कर आई। पुलिस ने अभियुक्त के विरूद्ध न्यायालय में आरोप पत्र समर्पित किया थी। न्यायालय ने 17 सितंबर 2019 को अभियुक्तों के खिलाफ आरोप गठन किया। पॉक्सो वाद संख्या 07/2020 विचारण के दौरान विशेष लोक अभियोजक कुमार शिवशंकर सिंह ने ग्यारह गवाहों को न्यायालय में प्रस्तुत कर अभियोजन पक्ष रखा। वहीं बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता उपेंद्र सिंह एवं श्रीमती कृष्णा सिंह ने अपनी दलीलें रखी थी। न्यायाधीश ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद धारा 376 भादवि एवम 4 पॉक्सो एक्ट में दोषी पाते हुए उक्त सजा सुनाए।

कुंडवा चैनपुर में पुलिस ने नेपाल निर्मित 4400 बोतल शराब किया जब्त,एक गिरफ्तार

एक चारपहिया व दो बाइक जब्त

बीएनएम। पूर्वी चंपारण

जिले में कुंडवा चैनपुर थाना पुलिस ने खरूही पुल के समीप एक चार पहिया वाहन व दो बाइक पर लदे नेपाल निर्मित शराब के साथ एक तस्कर को मगलवार को गिरफ्तार किया है। गस्ती दल का नेतृत्व कर रहे पारसनाथ चौधरी ने बताया कि सूचना चारपहिया मैक्स वाहन पर शराब की खेप जा रही है। जिसके बाद छापेमारी कप चार चक्का वाहन पर चार हजार चौबीस बोतल,वही दो बाइक पर 378 बोतल लदे शराब को जब्त किया है। मौके से बाइक सवार तस्कर भागने में सफल रहे। जबकि एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया।जिसकी पहचान ढाका थाना क्षेत्र के महुआवा गांव निवासी शाकिब अली के रूप में हुई है। खबर की पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष राकेश कुमार ने बताया की गिरफ्तार तस्कर को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। साथ ही जब्त वाहन पर केस दर्ज कर अग्रिम कार्यवाई शुरू कर दिया है।

चंडीगढ़ से लौट रहे मजदूर को नशीला कोल्ड ड्रिंक्स पिलाकर लूटा

बीएनएम। पूर्वी चंपारण

चंडीगढ से मजदूरी कर अपने भतीजे कीा शादी समारोह में भाग लेने घर आ रहे एक मजदूर को नशीला कोल्ड ड्रिंक्स पिलाकर तीन युवकों ने सात हजार रुपये, मोबाइल व अन्य सामान लूट लिया है। लूटने के बाद युवकों ने बोलेरो गाड़ी से लाकर हरसिद्धि थाना क्षेत्र के हरपुर राय तेलियाई परती पर रात में बेहोशी के हालत में फेंक दिया। मंगलवार की सुबह में ग्रामीण शौच के लिए गए तेलियाई परती की ओर गए तो देखा की सड़क किनारे एक अधेड़ जख्मी व बेहोशी के हालत में पड़ा हुआ है। जिसकी सूचना पुलिस को ग्रामीणों ने दिया। साथ ही जख्मी मजदूर की फोटो को सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। तीन घण्टे बाद तक पुलिस तो नही पहुंची, लेकिन सोशल मीडिया पर फोटो देख लूट के शिकार मजदूर के भाई घटना स्थल पर पहुंच मजदूर को अपने साथ ले गए। मजदूर गोविंदगंज ढाला के रहने

वाले शत्रुधन पासवान है। उसके छोटे भाई सत्यनारायण पासवान ने बताया कि सोशल मीडिया पर फोटो देखने बाद घटना का पता चला। उन्होंने बताया कि मेरे भतीजे सुनील की आज शादी है। उसी में भाग लेने वे चंडीगढ़ से ट्रेन से आए है। वे ट्रेन से रात में मोतिहारी उतरे। वही पर एक बोलेरो गाड़ी पर तीन व्यक्ति थे। जिसने बताया कि हम सब भी अरेराज चल रहे है। आप भी बैठ जाइए। रास्ते में उक्त तीनों ने जबरन नशीला कोल्ड ड्रिंक्स पिलाया। विरोध करने पर मारपीट कर जख्मी कर दिया है। उनके पास रखी सात हजार रूपया व अन्य सामान लुटकर फेंक दिए है। स्थानीय ग्रामीणो का आरोप है,कि सूचना के बावजूद पुलिस मौके पर नही पहुंची।

एमजीसीयू में शुरू हुआ नया शैक्षणिक सत्र

बीएनएम। पूर्वी चंपारण

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत रुद्राभिषेक पूजन और हवन के साथ मगलवार को हुई। कुलपति प्रो.संजय श्रीवास्तव की उपस्थिति में गांधी भवन परिसर उक्त आयोजन किया गया।मौके पर कुलपति ने कहा कि शैक्षणिक सत्र की शुरुआत के पूर्व इस आयोजन से सकारात्मक ऊर्जा के साथ शैक्षणिक उत्कृष्टता बढेगी। उन्होने आध्यात्मिक कल्याण के बीच संतुलन बनाए रखने के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि भगवान शिव को समर्पित रुद्राभिषेक पूजन में पवित्र पदार्थों की अर्पण की गई, उसके बाद हवन हुआ, जिसमें पवित्र अग्नि में आहुति दी गई। इस अनुष्ठान से न केवल पर्यावरण शुद्ध होगा बल्कि सकारात्मक ऊर्जा को भी बढावा मिलेगा। वही प्रो. प्रसून दत्त ने नए सत्र के उत्कृष्ट होने के प्रति आशा व्यक्त करते कहा कि एक समृद्ध शैक्षणिक वर्ष की प्रतीक्षा कर रहे हैं, जो सीखने और विकास से भरा होगा। हमारा लक्ष्य हमारे छात्रों के लिए एक समर्थन और प्रेरणादायक वातावरण प्रदान करना है, ताकि वे अपने संबंधित क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकें। केविवि के जनसंपर्क अधिकारी शेफालिका मिश्रा ने कहा इस नए शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत एक नवीनीकरण और संभावनाओं का समय है। हम एक ऐसा वातावरण बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो बौद्धिक और व्यक्तिगत विकास को पोषित करे। मौके पर संकाय सदस्यों, प्रशासनिक कर्मचारियों, और छात्रों ने इस आध्यात्मिक आयोजन में विश्वविद्यालय की निरंतर प्रगति और सफलता के लिए प्रार्थना की। प्रो. सुनील श्रीवास्तव, प्रो. शिरीष मिश्रा, प्रो. देवदत्त चतुर्वेदी, प्रो. बिमलेश सिंह, डॉ. अंजनी श्रीवास्तव, डॉ. श्याम झा, और डॉ. संतोष त्रिपाठी भी उपस्थित रहे।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

डबल मर्डर से मधुबनी धनहा का इलाका थर्राया हत्यारा पुलिस की गिरफ्त में

बीएनएम। बगहा

डबल मर्डर से मधुबनी धनहा का इलाका थर्राया गया है। दरअसल दो दिनों में दो युवकों कि अलग अलग जगहों पर निर्मम हत्या के बाद ख़ून से सना हुआ शव बरामद किया गया सबसे बड़ी बात यह है कि दोनो की गला रेत कर हत्या करने की बात सामने आ रहीं है औऱ पुलिस फिलहाल कुछ भी बोलने से परहेज़ क़र रहीं है। बताया जा रहा है कि सोमवार को धनहा के दहवा गोदाम के समीप राजेंद्र चौधरी का शव मिला था जबकि मंगलवार को धनहा के तुनियहवा में दिनेश कुशवाहा का शव बरामद किया गया है जिसके बाद यूपी बिहार सीमा पर स्थित धनहा थाना क्षेत्र में सीरियल मर्डर से सनसनी फ़ैली गईं है। इधर घटना कि सूचना के बाद मौके पर पहुंचें एसडीपीओ कुमार देवेंद्र अनुसन्धान में क़र रहें हैं। वहीं घटना स्थल से साक्ष्य जुटाने के साथ पुलिस घटना कि छानबीन में जुटी है। दोनों हत्या कि घटनाओं में कई लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ किया जा रहा है।बतादें की बगहा पुलिस जिला के धनहा तुनियहवा में मंगलवार की सुबह हुई दिनेश कुशवाहा की हत्या मामले में पुलिस ने हत्यारोपी को गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल मृत युवक का दो वर्षों से प्रेम प्रसंग चल रहा था इसी क्रम में लड़की के भाई ने उसका मर्डर कर दिया। एसपी सुशांत सरोज ने बताया की दिनेश कुशवाहा एक समारोह में शामिल होने गया था। जब वहां से निकला तो अकेला देख लड़की के भाई मनीष शर्मा ने अपने हाथ में पहने कड़ा की धार से उसका गला रेत दिया जिससे उसकी मौत हो गई। जैसे ही इसकी सूचना थानाध्यक्ष को मिली उन्होंने जांच शुरू किया और हत्यारे को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। घटनास्थल पर एफएसएल टीम समेत एसडीपीओ पहुंचकर वैज्ञानिक तरीके से अनुसंधान कर रहे है।

मझौलिया उपडाकघर परिसर में किया गया पौधारोपण

बीएनएम। बेतिया। पर्यावरण की सुरक्षा को लेकर डाक अधीक्षक की टीम ने मझौलिया उपडाकघर परिसर में पौधारोपण किया तथा मौके पर उपस्थित सभी डाक कर्मियों, अभिकर्तागण आदि को कम से कम एक पौधारोपण अवश्य लगाने का अनुरोध किया।उन्होंने कहा कि पर्यावरण के संतुलन के लिये यह बहुत ही आवश्यक है। इस अवसर पर आयोजित समारोह की अध्यक्षता उप डाकपाल दयानंद तिवारी ने की।डाक अधीक्षक ने इस अवसर पर कहा कि पौधारोपण समय की मांग है।इसीलिए पोस्ट मास्टर जनरल पूर्वी क्षेत्र के निर्देश पर प्रत्येक डाकघरों में पौधारोपण किया जाना है।इसकी शुरुआत मझौलिया उपडाकघर से शुभारम्भ किया गया।उन्होंने कहा कि पश्चिम चम्पारण के कुल 255 डाकघरों में पौधारोपण करना है। सहायक डाक अधीक्षक नटवर लाल, डाक निरीक्षक राम विनय उरांव,सहायक उपडाकपाल राजेश कुमार तिवारी,मनोज कुमार, राजकिशोर प्रसाद, अरविंद कुमार, सत्येंद्र प्रसाद, जितेंद्र कुमार, राजन राउत समेत भारी संख्या में डाक कर्मी शामिल रहे।

संक्षिप्त समाचार

पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए हरसिद्धि में लगाए गए हजारों पेड़

बीएनएम। हरसिद्धि। पर्यावरण संरक्षण के तहत धारा मांगे हरियाली के तहत हरसिद्धि में पांच हजार पौधे लगाए गए। जिसमे महावीर रामेश्वर इंटर कॉलेज में भाजपा राष्ट्रीय परिषद के सदस्य राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता ने पौधरोपण किया। वहीं इनके द्वारा दो हजार पौधों का वितरण गांधी हाई स्कूल विद्या भारती विद्यालय, सरस्वती शिशु मंदिर महावीर सरस्वती विद्या मंदिर सहित कई विद्यालयों को दिया गया। जहां से छात्र छात्राओं ने वृक्षारोपण किया। रामेश्वर इंटर कालेज की छात्रा रजनी कुमारी गुड्डी कुमारी ने बताई की कालेज की ओर से सभी छात्र छात्राओं को एक जामुन और एक आंवला का पेड़ दिया गया। मौके पर प्राचार्य शम्भू शरण प्रसाद, बलिराम प्रसाद, सोनेलाल सहनी, रविन्द्र प्रसाद पवन राज। निकेश सिंह, रवि विश्वकर्मा, मारकंडे कुशवाहा पंकज कुशवंशी, रमेश गिरी इत्यादि उपस्थित थे।

विभिन्न मांगों के लेकर हरसिद्धि स्वास्थ्य केंद्र में एएनएम अनिश्चितकालीन हड़ताल पर

बीएनएम। हरसिद्धि। हरसिद्धि पदस्थापित एएनएम, जीएनएम, स्टाफ नर्स सोमवार से अपनी तीन सूत्री मांगों को लेकर अनिश्चित कालीन हड़ताल पर चले गए। यह हड़ताल एएनएम संघर्ष मोर्चा गोप गुट के आह्वान पर हुआ है। एएनएम सुनीता कुमारी, रीता कुमारी, किरण कुमारी, शिल्पा कुमारी, सोनी कुमारी, रानी कुमारी, मधु ज्योति, तनु प्रिया आदि ने बताया कि सरकार हमलोगों के साथ सौतेला व्यहवार कर रही है। हमलोगों से सामान काम ले रही और वेतन संविदा का दे रही है। जो नियम विरुद्ध है। अधिकांस स्वास्थ्य केंद्र 15 किलोमीटर दूर है जहां बिजली पानी जैसे मूल भूत समस्याओं की कमी है, रहने में काफी दिक्कत है। हड़ताल की लिखित जानकारी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को दे दी गई है। हड़तालियों ने कहा कि जब तक मोर्चा की मांग सरकार द्वारा नहीं मानी जायेगी तब तक कार्य बहिष्कार जारी रहेगा।

सड़क दुर्घटना में एक परीक्षार्थी की मौत, दूसरा घायल

समस्तीपुर। ताजपुर पथ के ठहरा गोपालपुर चौक स्थित पुलिया के निकट सोमवार को एक बाइक पर सवार दो युवक एक बाइक सवार को बचाने के चक्कर में खुद पुल के रेलिंग से टकरा गया। इस दुर्घटना में बाइक पर सवार दोनों युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। बाद में वैनी पुलिस व स्थानिय लोगों की मदद से दोनों घायल युवकों को रेफरल अस्पताल ताजपुर ले जाया गया। जहाँ से सदर अस्पताल समस्तीपुर रेफर किए जाने के दौरान एक घायल युवक की रास्ते में ही मौत हो गई, जबकि दूसरे घायल युवक का इलाज सदर अस्पताल में ही चल रहा हैं। मृतक युवक की पहचान मुजफ्फरपुर जिले के सकरा थाना क्षेत्र के ढ़ोली बाजार वार्ड संख्या 5 निवासी स्व० राजेंद्र साह के 21 वर्षीय पुत्र रोहित कुमार एवं गंभीर रूप से घायल युवक की पहचान ढ़ोली बाजार के ही बखरी रोड निवासी ऋतिक कुमार के रूप में की गई है। मिली जानकारी के अनुसार सोमवार को रोहित और ऋतिक दोनो एक ही बाइक पर सवार होकर स्नातक की परीक्षा देने ढ़ोली बाजार से ताजपुर स्थित एलकेवीडी कॉलेज जा रहे थे। इसी दौरान ठहरा गोपालपुर चौक स्थित पुलिया के निकट एक बाइक सवार को बचाने के चक्कर में युवक की बाइक पुल के रेलिंग से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी की बाइक पर सवार दोनो युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गये।

सरपंच पति ने थाना पर आवेदन देकर 112 नंबर के पुलिस पर लगाया गम्भीर आरोप

बीएनएम। तुरकौलिया

थाना क्षेत्र अंतर्गत वेलवाराय पंचायत के सरपंच पति रसुल अंसारी ने थाना पर आवेदन देकर 112 नंबर के पुलिस पर आरोप लगाया है कि पंचायत के अंदर दलाल रखकर अवैध वसूली कराते हैं। दिये आवेदन में उन्होंने बताया है कि तुरकौलिया-छपवा पथ पर वेलवा मठ के समीप दो बाइक सवार आपस में टकराए थे। जिसे लेकर 112 नंबर की पुलिस और निजी दलाल द्वारा 11 हजार रुपए लेकर दोनों बाइक को छोड़ दिया गया। जब इस बात का पता चला तो उनके द्वारा 112 नंबर के पुलिस स्टाफ से पूछा गया कि आप लोग पैसा क्यों लिए हैं। यह बात सुनते ही पुलिस भड़क गई। यह घटना वेलवा मठ की है। इस बात को लेकर कुछ देर बाद 112 नंबर की गाड़ी पर अपने दल बल के साथ सरपंच आवास पहुंचकर उनके परिवार वालों व ग्रामीणों के सामने भद्दी गालियां देने लगे। गाली देते हुए सरपंच पति को कह रहे थे कि तुम ज्यादा नेतागिरी कर रहे हो। 420 का गलत मुकदमा में फंसा कर तुमको जेल में डाल देंगे। विदित हो कि कुछ माह पहले भी कवलपुर गांव में शराब बेचने वाले कारोबारियो को पकड़ कर पैसा लेकर 112 नंबर की पुलिस ने छोड़ दिया था। इस बात का ग्रामीणों ने पुष्टी भी किया था। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर काफी दिनों पर वायरल हो रहा था। सूत्रों की मानें तो 112 नंबर की पुलिस अवैध वसूली करने वाली पुलिस के रूप में क्षेत्र में मशहूर हो चुकी है।

मोबाइल दुकान से लाखों की चोरी करने वाले तीन चोर गिरफ्तार

बीएनएम। तुरकौलिया

मोबाइल दुकान में लाखों की चोरी करने वाले 3 चोरों को पुलिस ने गिरफ्तार कर गुरुवार को जेल भेज दिया। साथ ही इन चोरों के पास से 70 पीस मोबाइल भी पुलिस ने बरामद किया है। यहां बताते चलें कि थाना क्षेत्र के स्कूल चौक पर एक मोबाइल दुकान के छत के स्बेस्टस काट कर चोरों ने लगभग 10 लाख रुपए का एंड्रॉयड व सादा मोबाइल चोरी कर लिया था। चोरी की घटना सीसीटीवी कैमरा में कैद हो गया था। घटना को लेकर दुकानदार अशोक सिंह ने तुरकौलिया थाना में आवेदन देकर अज्ञात चोरों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराया था। चोरी की घटना पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई थी। सीसीटीवी फुटेज देखने के बाद पुलिस वैज्ञानिक ढंग से जांच कर रही थी। आखिरकार चोरी की मोबाइल के साथ तीन चोरों को पुलिस ने धर दबोचा। गिरफ्तार चोर रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर गदरिया निवासी प्रदीप कुमार, लक्ष्मीपुर कचहरीया टोला निवासी रंजन कुमार व तुरकौलिया थाना क्षेत्र के शंकरसरैया परसौना निवासी अमित कुमार है। जिसके पास से 70 पीस चोरी का मोबाइल पुलिस ने बरामद किया है। जिसमे 50 पीस एंड्रॉयड मोबाइल व 20 पीस कीपैड मोबाइल है। थानाध्यक्ष सुरेश यादव ने बताया कि सभी चोरों को जेल भेजा जा रहा है।

प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर जिला जज ने किया रवाना

बीएनएम। बेतिया

आगामी दिनांक 13 जुलाई को आयोजित होने वाले नेशनल अदालत की सफलता को लेकर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पश्चिम चंपारण बेतिया प्रजेश कुमार ने प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर व्यवहार न्यायालय परिसर बेतिया से रवाना किया। जिला जज ने बताया कि यह प्रचार रथ सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर लोगों को आगामी नेशनल लोक अदालत के प्रति जागरूक करेगा ताकि अधिक से अधिक जनमानस अपने छोटे-छोटे विवादों को इस नेशनल लोक अदालत में निपटारा करा सके,एवं इसका लाभ उठा सके। वहीं प्राधिकार के सचिव अमरेंद्र कुमार राज ने बताया कि इस नेशनल लोक अदालत में पक्षकारों को अधिक से अधिक नोटिस तामिला कराया जा रहा है ताकि पक्षकारों को अपने वाद सुलह करने में कोई दिक्कत नहीं रहे। वही बैंक अधिकारी माप तौल अधिकारी, इंश्योरेंस कंपनी के प्रबंधक अन्य संबंधित पदाधिकारी के साथ लगातार बैठक की जा रही है ताकि अधिक से अधिक वादों को सुलह किया जा सके। वही मौके पर व्यवहार न्यायालय बेतिया के सभी न्यायिक पदाधिकारी गण, जिला सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी अनंत कुमार उपस्थित रहे।

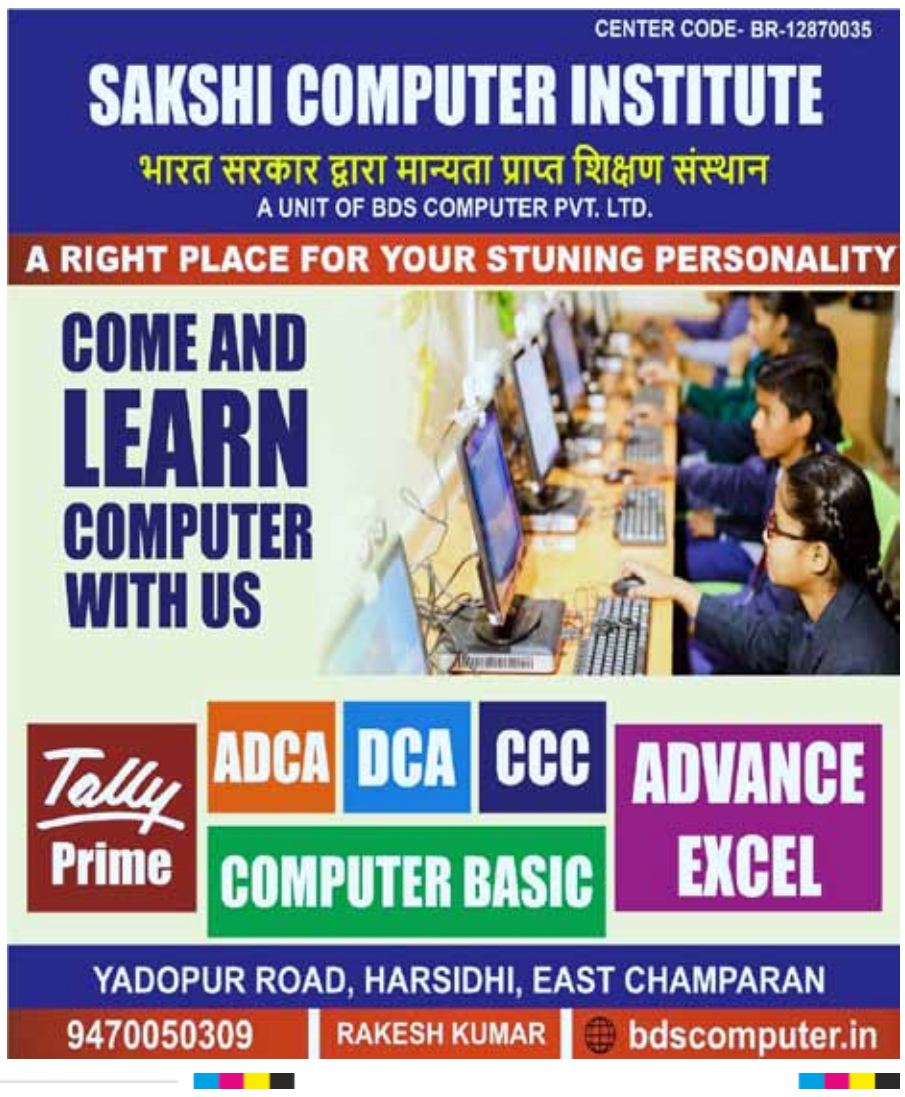

संपादकीय

उत्तराखंड की बेटी डॉ कल्पना सैनी ब्राजील में बनी देश की आवाज!

उत्तराखंड से राज्य सभा सांसद डॉ कल्पना सैनी को एक अन्य महिला सांसद संगीता यादव के साथ ब्राजील में हुई महिला सांसदों पहली बैठक पी-20 में भारत की ओर से प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला है।डॉ कल्पना सैनी इंजीनियर नगरी रुड़की से है और उत्तर प्रदेश में मंत्री रहे डॉ पृथ्वी सिंह विकसित की बेटी होने के साथ साथ शिक्षाविद भी है।विगत 30 जून से 2 जुलाई तक ब्राजील के मैसियो में महिला सांसदों की पहली पी-20 बैठक में उन्होंने भाग लेते हुए भारतीय महिलाओं से जुड़े सरोकारों पर खुलकर बातचीत की।दुनियाभर की महिला सांसदों की पी-20 बैठक, का विषय था "एक न्यायपूर्ण विश्व और एक सतत ग्रह का निर्माण", ब्राजील और विदेशी नेताओं के बीच जी-20 शिखर सम्मेलन के तीन मुख्य विषयों पर बहस और आदान-प्रदान के लिए यह महिला सांसदों की बैठक समर्पित थी।इस बैठक में जलवायु परिवर्तन और सतत विकास, सामाजिक समावेशन और भूख और गरीबी के खिलाफ लड़ाई तथा वैश्विक संस्थानों में सुधार के विषय शामिल किये गए।महिलाओं और बालिकाओं के लिए जलवायु न्याय और सतत विकास को बढ़ावा देने पर प्रथम कार्य सत्र में बोलते हुए भारत की राज्यसभा सांसद डॉ. कल्पना सैनी ने इस बात पर जोर दिया कि जलवायु परिवर्तन सीमाओं से परे सभी देशों को प्रभावित करता है, हालांकि यह प्रभाव विभिन्न सामाजिक वर्गों में अलग-अलग रूप से महसूस किया जाता है, जिसके लिए जलवायु न्याय और वैश्विक शमन उपायों के कार्यान्वयन की तत्काल आवश्यकता है।उनके भाषण का मुख्य विषय महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास की आवश्यकता रहा,ताकि अधिक समावेशी जलवायु समाधान तैयार किए जा सकें। उन्होंने प्रकृति के साथ स्थिरता और सामंजस्य को बढ़ावा देने के लिए भारत द्वारा की गई कई प्रमुख पहलों पर भी दुनिया की महिला सांसदों का ध्यान केंद्रित किया। इनमें भारत के नेतृत्व वाले मिशन लाइफ पर विशेष ध्यान दिया गया, जो लोगों के ग्रह-समृद्धि के दर्शन को दर्शाता है।भारत सरकार की प्रमुख लिंग-संवेदनशील नीतियों जैसे कि महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना और बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ पहल का भी बैठक में विशेष उल्लेख किया गया।राष्ट्रीय महिला सशक्तिकरण मिशन, जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्य योजना, तथा जलवायु परिवर्तन के लिए राष्ट्रीय अनुकूलन कोष जैसी कई राष्ट्रीय कार्य योजनाओं पर भी डॉ कल्पना सैनी द्वारा प्रकाश डाला गया।उन्होंने माना कि लैंगिक समावेशिता के साथ-साथ पारिस्थितिक स्थिरता के प्रति उक्त उपलब्धियो के चलते भारत की प्रतिबद्धता सिद्ध होती है।

डॉ. कल्पना सैनी ने जल जीवन मिशन और मनरेगा जैसी अग्रणी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि लैंगिक असमानताएं वैश्विक स्तर पर मौजूद हैं और यह समय की मांग है कि जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक समस्याएं मौजूदा हाशिए पर पड़े लोगों की परेशानी को और न बढ़ाएं।

उन्होंने अपने भाषण का समापन यह कहते हुए किया कि जलवायु नीति जो सतत विकास को बढ़ावा देना चाहती है, वह प्रकृति में समावेशी होनी चाहिए। भारत, अपने हिस्से के लिए, यह मानता है कि जलवायु न्याय केवल तभी सुनिश्चित किया जा सकता है जब महिलाएँ वैश्विक नीतियों के निर्माण का हिस्सा हों। जलवायु कार्रवाई में महिलाओं का सशक्तिकरण और समावेश समय की मांग भी है।पी-20 के सत्रों के बाद, भारतीय प्रतिनिधिमंडल की महिला सांसद डॉ कल्पना सैनी व संगीता यादव ने संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रतिनिधिमंडल के साथ द्विपक्षीय बैठक की।

अमेरिका के प्रतिनिधिमंडल में कांग्रेस सदस्य यंग किम और कांग्रेस सदस्य सिडनी कामलागर-डोव शामिल रहे।इस द्विपक्षीय चर्चा में भारत-अमेरिका के बीच मजबूत द्विपक्षीय संबंधों और महिलाओं, बच्चों और शिक्षा जैसे सहयोग के महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया।अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल ने अपनी इस चर्चा को वित्तीय समावेशन और साक्षरता पर केंद्रित कर दिया, जिस पर भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने इस संबंध में सरकार की कई प्रमुख योजनाओं का उल्लेख करते हुए सकारात्मक परिणामो से उन्हें अवगत कराया।अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल ने अपने उपराष्ट्रपति की जातीय उत्पत्ति का विशेष उल्लेख किया तथा बताया कि किस प्रकार उन्होंने अपने देश में भारतीय संस्कृति की जीवंतता को उजागर किया है।भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने भारत के सतत एजेंडे के मुख्य क्षेत्रों जैसे वर्षा जल संचयन, सौर ऊर्जा, सतत खेती और पर्यावरण एवं जलवायु के क्षेत्रों में जलवायु न्याय और लैंगिक समावेशिता की आवश्यकता का उल्लेख भी किया।महिला संसद सदस्यों ने इस बात पर जोर दिया कि वे सभी महिलाओं के लिए न्यायपूर्ण और समतामूलक समाज बनाने की दिशा में काम करना जारी रखेंगे,ताकि नारी शक्ति की प्रतीक आधी दुनिया भी सिर उठाकर जी सके।

- डॉ श्रीगोपाल नारसन
(लेखक सामाजिक सरोकारों से जुड़े वरिष्ठ पत्रकार है)

चक्रीय अर्थव्यवस्था (सर्कुलर इकॉनामी) की आवश्यकता क्यों?

हिंदू सनातन संस्कृति हमें सिखाती है कि आर्थिक विकास के लिए प्रकृति का दोहन करना चाहिए न कि शोषण। परंतु, आर्थिक विकास की अंधी दौड़ में पूरे विश्व में आज प्रकृति का शोषण किया जा रहा है। प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग कर प्रकृति से अपनी आवश्यक आवश्यकताओं की पूर्ति बहुत ही आसानी से की जा सकती है परंतु दुर्भाग्य से आवश्यकता से अधिक वस्तुओं के उपयोग एवं इन वस्तुओं के संग्रहण के चलते प्राकृतिक संसाधनों का शोषण करने के लिए हम जैसे मजबूर हो गए हैं। ऐसा कहा जाता है कि जिस गति से विकसित देशों द्वारा प्राकृतिक संसाधनों का शोषण किया जा रहा है, उसी गति से यदि विकासशील एवं अविकसित देश भी प्राकृतिक संसाधनों का शोषण करने लगे तो इसके लिए केवल एक धरा से काम चलने वाला नहीं है बल्कि शीघ्र ही हमें इस प्रकार की चार धराओं की आवश्यकता होगी।

एक अनुमान के अनुसार जिस गति से कोयला, गैस एवं तेल आदि संसाधनों का इस्तेमाल पूरे विश्व में किया जा रहा है इसके चलते शीघ्र ही आने वाले कुछ वर्षों में इनके भंडार समाप्त होने की कगार तक पहुंच सकते हैं। बीपी स्टेटिस्टिकल रिव्यू ऑफ वर्ल्ड एनर्जी रिपोर्ट 2016 के अनुसार दुनिया में जिस तेजी से गैस के भंडार का इस्तेमाल हो रहा है, यदि यही गति जारी रही, तो प्राकृतिक गैस के भंडार आगे आने वाले 52 वर्षों में समाप्त हो जाएगें। फॉसिल फ्यूल में कोयले के भंडार सबसे अधिक मात्रा में उपलब्ध हैं। परंतु विकसित एवं अन्य देश इसका जिस तेज गति से उपयोग कर रहे है, यदि यही गति जारी रही तो कोयले के भंडार दुनिया में आगे आने वाले 114 वर्षों में समाप्त हो जाएगें। एक अन्य अनुमान के अनुसार भारत में प्रत्येक व्यक्ति औसतन प्रतिमाह 15 लीटर से अधिक तेल की खपत कर रहा है। धरती के पास अब केवल 53 साल का ही ऑइल रिजर्व शेष है। भूमि की उर्वरा शक्ति भी बहुत तेजी से घटती जा रही है। पिछले 40 वर्षों में कृषि योग्य 33 प्रतिशत भूमि या तो बंजर हो चुकी है अथवा उसकी उर्वरा शक्ति बहुत कम हो गई है। जिसके चलते पिछले 20 वर्षों में दुनिया में कृषि उत्पादकता लगभग 20 प्रतिशत तक घट गई है।

कई अनुसंधान प्रतिवेदनों के माध्यम से अब यह सिद्ध किया जा चुका है कि वर्तमान में अनियमित हो रहे मानसून के पीछे जलवायु परिवर्तन का योगदान हो सकता है। कुछ ही घंटों में पूरे महीने की सीमा से भी अधिक बारिश का होना, शहरों में बाढ़ की स्थिति निर्मित होना, शहरों में भूकम्प के झटके एवं साथ में सुनामी का आना, आदि प्राकृतिक आपदाओं जैसी घटनाओं के बार-बार घटित होने के पीछे भी जलवायु परिवर्तन एक मुख्य कारण हो सकता है। एक अनुसंधान प्रतिवेदन के अनुसार, यदि वातावरण में 4 डिग्री सेल्सियस से तापमान बढ़ जाय तो भारत के तटीय किनारों के आसपास रह रहे लगभग 5.5 करोड़ लोगों के घर समुद्र में समा जाएंगे। साथ ही, चीन के शांघाई, शांटोयु, भारत के कोलकाता, मुंबई, वियतनाम के हनोई एवं बांग्लादेश के खुलना शहरों की इतनी जमीन समुद्र में समा जाएगी कि इन शहरों की आधी आबादी पर इसका बुरा प्रभाव पड़ेगा। वेनिस एवं पीसा की मीनार सहित यूनेस्को विश्व विरासत के दर्जनों स्थलों पर समुद्र के बढ़ते स्तर का विपरीत प्रभाव पड़ सकता है।

दुनिया में जितना भी पानी है, उसमें से 97.5 प्रतिशत समुद्र में है, जो खारा है। 1.5 प्रतिशत बर्फ के रूप में उपलब्ध है। केवल 1 प्रतिशत पानी ही पीने योग्य उपलब्ध है। वर्ष 2025 तक भारत की आधी और दुनिया की 1.8 अरब आबादी के पास पीने योग्य पानी उपलब्ध नहीं होगा। विश्व स्तर के अनेक संगठनों ने कहा है कि अगला युद्ध अब पानी के लिए लड़ा जाएगा। अर्थात पीने के मीठे पानी का अकाल पड़ने की पूरी सम्भावना है। इसमें कोई संदेह नहीं कि पानी के पानी के लिए केवल विभिन्न देशों के बीच ही युद्ध नहीं होंगे बल्कि हर गांव, हर गली-मोहल्ले में पानी के लिए युद्ध होंगे। पर हम इसके बारे में अभी तक जागरुक नहीं हुए हैं। आगे आने वाले समय में परिणाम बहुत गंभीर होने वाले हैं।

चक्रीय अर्थव्यवस्था (सर्क्यूलर इकॉनामी) का आश्य उस अर्थव्यवस्था से है जिसमें उत्पादों के निर्माण में उपयोग किए जाने वाले कच्चे माल, पानी एवं ऊर्जा के उपयोग को कम किया जाता है एवं पदार्थों के अवशेष (वेस्ट) को कम करते हुए इनके पुनरुपयोग को बढ़ावा दिया जाता है। यह लक्ष्य विभिन्न पदार्थों के उपयोग को उच्चत्तम स्तर पर ले जाकर एवं इन पदार्थों की बर्बादी को रोककर हासिल किए जाने का प्रयास किया जाता है। इससे प्राकृतिक संसाधनों के अति-उपयोग पर अंकुश लगाया जा सकता है। चक्रीय अर्थव्यवस्था के अंतर्गत उत्पादों एवं विभिन्न पदार्थों के उपयोग को कम करना, इनका पुनः उपयोग करना तथा विनिर्माण इकाईयों द्वारा इस प्रकार की प्रक्रिया अपनाना, जिससे कच्चे माल, ऊर्जा एवं पानी का कम प्रयोग हो सके, आदि उपाय भी शामिल हैं। उत्पादों को यदि रिपेयर कर पुनः उपयोग किया जा सकता है तो यह आदत भी विकसित की जानी चाहिए, इससे उस उत्पाद के कुल जीवन साइकल को बढ़ाया जा सकता है एवं उसके स्थान पर नए उत्पाद की आवश्यकता को कम किया जा सकता है। क्षतिग्रस्त अथवा खराब हुए उत्पाद को पुनरुपयोग योग्य बनाए जाने के प्रयास भी किए जाने चाहिए। उचित वेस्ट मेनेजमेंट को भी बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इससे कुल मिलाकर प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव कम होगा। आजकल 7 आर ओफ सर्क्यूलर इकॉनामी को भी इस संदर्भ में अपनाने पर विचार किया जा रहा है - रिडयूस (Reduce -उत्पादों का उपयोग कम करें), रीयूज (Reuse -उत्पादों का पुनः उपयोग करें), रीसाइकल (Recycle -बर्बाद हुए उत्पादों को रीसाइकल करें), रीडिजाइन (Redesign -उत्पादों की इस प्रकार डिजाइन विकसित करें कि कच्चे माल, पानी एवं ऊर्जा का कम उपयोग हो), रीपेयर (Repair -उत्पाद की मरम्मत कर पुनः उपयोग करने लायक बनाएं), रिन्यू (Renew -खराब हुए उत्पाद को ठीक कर उसका पुनः उपयोग करना), रिकवर (Recover -खराब हुए उत्पाद के कुछ पार्ट्स का पुनः उपयोग करना), रीथिंक (Rethink -नए प्रॉसेस के नवीकरण बारे में विचार करना), रिपर्पस (Repurpose), रिमैन्यूफेक्चर (Remanufacture) आदि उपाय भी सर्क्यूलर इकॉनामी के अंतर्गत किए जाते हैं।

अतः कुल मिलाकर, अब समय आ गया है कि समस्त देश मिलकर इस बात पर गम्भीरता से विचार करें कि इस धरा को शोषित होने से कैसे बचाया जाय। इसके लिए आज इस धरा से लिए जाने वाले पदार्थों के उपयोग पर न केवल अंकुश लगाने की आवश्यकता है अपितु इन पदार्थों के पुनः उपयोग करने की विधियों को विकसित करने की भी महती आवश्यकता है। जैसे जीवाश्म ऊर्जा पर निर्भरता कम करने के उद्देश्य से भारत वैकल्पिक एवं नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों को बढ़ावा देने पर काम कर रहा है। ऊर्जा मिश्रण में विविधता लाने पर भी ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। इसमें सौर, पवन, पनबिजली और परमाणु ऊर्जा के उपयोग का विस्तार करना भी शामिल है। भारत, परिवहन, औद्योगिक प्रक्रियाओं, प्राथमिकता भवनों सहित, विभिन्न क्षेत्रों में ऊर्जा दक्षता उपायों को प्राथमिकता दे रहा है। इसमें ऊर्जा कुशल तकनीकों को अपनाना, औद्योगिक प्रक्रियाओं का अनुकूलन करना और मजबूत ऊर्जा संरक्षण उपायों को लागू करना शामिल हैं। साथ ही जीवाश्म तेल में ईथेनाल का सम्मिश्रण भी किया जा रहा है ताकि पेट्रोल एवं डीजल के उपयोग को कम किया जा सके। आज समय की मांग है कि विश्व के समस्त देश ऊर्जा सम्मिश्रण के क्षेत्र में साथ मिलकर काम करें। भारत ने सुझाव दिया है कि पेट्रोल में ईथेनाल सम्मिश्रण को वैश्विक स्तर पर 20 प्रतिशत तक ले जाने के लिए सामूहिक प्रयास किए जाएं, अथवा वैश्विक भलाई के लिए कोई और सम्मिश्रण पदार्थ की खोज की जाए, जिससे ऊर्जा की आपूर्ति निर्बाध रूप से बनी रहे और पर्यावरण भी सुरक्षित रहे।

भारत ने उत्सर्जन वृद्धि को कम करने के उद्देश्य से बहुत पहले (2 अक्टोबर 2015 को) ही अपने लिए कई लक्ष्य तय कर लिए थे। इनमें शामिल हैं, वर्ष 2030 तक वर्ष 2005 के स्तर से अपने सकल घरेलू उत्पाद की उत्सर्जन तीव्रता को 30 से 35 प्रतिशत तक कम करना (भारत ने अपने लिए इस लक्ष्य को अब 45 प्रतिशत तक बढ़ा दिया है), गैर-जीवाश्म आधारित ऊर्जा के उत्पादन के स्तर को 40 प्रतिशत तक पहुंचाना (भारत ने अपने लिए इस लक्ष्य को अब 50 प्रतिशत तक बढ़ा लिया है) और वातावरण में कार्बन उत्पादन को कम करना, इसके लिए अतिरिक्त वन और वृक्षों के आवरण का निर्माण करना, आदि। इन संदर्भों में अन्य कई देशों द्वारा अभी तक किए गए काम को देखने के बाद यह पाया गया है कि जी-20 देशों में केवल भारत ही एक ऐसा देश है जो पेरिस समझौते के अंतर्गत तय किए गए लक्ष्यों को प्राप्त करता दिख रहा है। जी-20 वो देश हैं जो पूरे विश्व में वातावरण में 70 से 80 प्रतिशत तक उत्सर्जन फैलाते हैं। जबकि भारत आज इस क्षेत्र में काफी आगे निकल आया है एवं इस संदर्भ में पूरे विश्व का नेतृत्व करने की स्थिति में आ गया है। भारत ने अपने लिए वर्ष 2030 तक 550 GW सौर ऊर्जा का उत्पादन करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। भारत ने अपने लिए वर्ष 2030 तक 2.6 करोड़ हेक्टेयर बंजर जमीन को दोबारा खेती लायक उपजाऊ बनाने का लक्ष्य भी निर्धारित किया है। साथ ही, भारत ने इस दृष्टि से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सौर संधि करते हुए 88 देशों का एक समूह बनाया है ताकि इन देशों के बीच तकनीक का आदान प्रदान आसानी से किया जा सके।

-प्रहलाद सबनानी

बारिश के पानी को बचाने के लिए करने होंगे नए उपाय

भारत में बारिश के 8 फ़ीसदी पानी को ही हम संचित कर पाते हैं। शेष पानी नदियों से बहते हुए समुद्र में चला जाता है। बारिश के पानी का हम संचयन कर सकें, तो काफी हद तक जल संकट से निपटा जा सकता है। छोटी-छोटी योजना बनाकर बेहतर तरीके से पेयजल और भूमिगत जल स्तर को बढ़ाने की दिशा में बेहतर उपाय करने होंगे। हमें बारिश के पानी की बहुत अधिक जरूरत है। भारत में भूमिगत जल स्तर बड़ी तेजी के साथ गिर रहा है। खेती किसानी के काम में भी भूमिगत जल स्तर का बड़े पैमाने पर उपयोग किया जा रहा है। जिसके कारण साल दर साल जल स्तर गिरता ही जा रहा है। भारत की बहुत बड़ी आबादी पेय जल संकट से 1 माह से लेकर 3 माह तक जूझती रहती है। पानी के कारण कई हिस्सों से पलायन होता है। देश में पिछले 75 सालों से पानी को लेकर हम कई अभियान संचालित कर रहे हैं। उसके बाद भी केवल 8 फीसदी बारिश का जल ही हम बचाने में सफल हो पा रहे हैं। यह बड़ी चिंता का विषय है। 1947 में भारत में 6042 क्यूबिक मीटर पानी की उपलब्धता थी। जो 2021 में घटकर 1486 रह गई है। पर्यावरण विद् ज्ञानेंद्र रावत के अनुसार भारत में हर व्यक्ति को रोजाना लगभग 150 लीटर पानी की जरूरत होती है। लापरवाही के कारण 45 लीटर पानी रोजाना बर्बाद कर दिया जाता है। भारत सरकार अभी भी शुद्ध पेयजल अपने नागरिकों को उपलब्ध नहीं कर पा रही है। प्राकृतिक जल स्रोतों के ऊपर भारत सरकार का ध्यान नहीं है, जैसा होना चाहिए। देश के अधिकांश जल स्रोत इस समय संकट में है। कुआं, तालाब और पोखरों का रख-रखाव नहीं हो पा रहा है। जिसके कारण बारिश के जल का जो संग्रहण प्राकृतिक रूप से होता था वह भी अब नहीं हो पा रहा है। अधिकतर जलाशयों का उपयोग मछली पालन और खेती किसानी के लिए होने लगा है। भूमिगत जल स्तर बहुत नीचे चले जाने से कुआं और नलकूप खनन के जरिए जो पानी पेयजल एवं अन्य कामों के लिए उपलब्ध होता था, वह भी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। हैंड पंप 4 से 5 महीने ही पानी दे पा रहे हैं। सरकार के साथ-साथ स्थानीय संस्थाओं, सामाजिक एवं पारिवारिक गतिविधियों में हम प्राकृतिक जल संसाधनों का अत्याधिक दोहन तो कर लेते हैं। प्राकृतिक जल के रखरखाव और जल संग्रहण को लेकर जो काम हमें करने चाहिए, वह नहीं कर रहे हैं। वर्तमान में जो जल स्रोत हैं। उनके आसपास मिट्टी का जमा हो जाना। समय-समय पर उनकी सफाई नहीं होना, बढ़ते जल संकट का बड़ा कारण है। भारत में हर साल बारिश के समय देश के अधिकांश राज्यों में बाढ़ की समस्या होती है। बारिश का जल हम बह जाने देते हैं। बाढ़ के समय नदियों और नालों का जल स्तर काफी ऊंचाई पर पहुंच जाता है। बारिश के पानी को संग्रहित करने की कोई योजना बनाएं। बाढ़ के पानी को भी बड़ी मात्रा में निचले क्षेत्रों में आसानी से संग्रहित किया जा सकता है। इस दिशा में अभी तक कोई काम भारत में नहीं हुआ है। दुनिया के सभी देशों में पेयजल संकट देखने को मिल रहा है। भारत जैसे देश में जहां पेयजल प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। अब भारत में भी पानी को खरीदकर पीना पड़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र संघ समय-समय पर चेतावनी दे रहा है। पूरी दुनिया के 270 करोड लोग अभी भी जल संकट से प्रभावित हैं। इतनी बड़ी आबादी को पीने के लिए शुद्ध जल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। जल संकट के कारण अब युद्ध तक की बात होने लगी है। भारत में बारिश के पानी को बचाने के लिए छोटी छोटी योजनाएं बनानी पड़ेंगी। मानसून के समय बाढ़ के पानी को उन निचले क्षेत्रों में ले जाकर संग्रहित कर सकें जहां इनकी जरूरत है। बिहार जैसे राज्य जहां हर साल बारिश में बाढ़ आती है। उस समय जल काफी ऊंचाई के स्तर पर रहता है। छोटे-छोटे कटाव करके पानी निचले क्षेत्रों में आसानी के साथ तेज बहाव में भेजा जा सकता है। बाढ़ से जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित होता है। उसके बाद साल भर जल संकट का भी सामना उन्हीं क्षेत्रों को करना पड़ता है। ऐसी स्थिति में भारत सरकार और राज्य सरकारों को गंभीर चिंतन करना होगा। जहां पर आबादी है उन क्षेत्रों में ज्यादा से ज्यादा बारिश के पानी को बचाने का प्रबंध करना चाहिए। जिससे भूमिगत जल स्तर बेहतर हो। साथ ही पेयजल के साथ-साथ जानवरों, पशु पक्षियों और खेती के लिए पर्याप्त मात्रा में लंबे समय तक जल उपलब्ध हो सके। हम बारिश के पानी का पांच फीसदी और ज्यादा बचा पाए, तो बहुत सारी समस्याओं का हल बारिश के पानी से हो जाएगा। इस दिशा में ध्यान देने की जरूरत है।

-सनत जैन

आज का पंचांग

10 जुलाई 2024 को आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि है। इस तिथि पर मघा नक्षत्र और व्यतिपाता योग का संयोग रहेगा। दिन के शुभ मुहूर्त की बात करें तो बुधवार को अभिजीत मुहूर्त नहीं है।

आज का राशिफल

मेष : प्रेम संबंध में अपनी भावनाओं को सकारात्मक दिशा प्रदान करें. तालमेल बनाने की आवश्यकता रहेगी. प्रेमीजन की मूल भावनाओं को समझने का प्रयास करें. विचारों को थोपने का प्रयास न करें. माता-पिता का व्यवहार सहयोगात्मक बना रहेगा. आपके स्वास्थ्य आदि का ध्यान रखें.

वृषभ : पारिवारिक दायित्व का भली भांति निर्वहन करें. पति-पत्नी के मध्य सामान्य रूप से तालमेल बना रहेगा. प्रेम संबंधों में विवाद की स्थिति रहेगी. तनाव से बचने की कोशिश करें. प्रेम संबंध में दूसरे से सोच समझ कर धैर्य पूर्वक व्यवहार करें.

मिथुन : आज सहोदर भाई बहन के साथ मनोरंजन का लुफ्त उठाएंगे. प्रेम संबंधों में किसी तीसरे व्यक्ति के कारण तनाव उत्पन्न हो सकता है. प्रेम संबंधों में अफवाहों से बचें. एक दूसरे पर विश्वास की भावना बनाए रखें. संतान की ओर से सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा.

कर्क : प्रेम संबंधों में लंबे समय से उलझी समस्या सुलझेंगी. परस्पर प्रेम सौहार्द पड़ेगा. दांपत्य जीवन में दांपत्य सुख सहयोग में वृद्धि होगी. किसी पर्यटक स्थल की यात्रा पर जा सकते हैं. संतान की ओर से कोई शुभ समाचार प्राप्त होगा. परिवार में अतिथि के आगमन से खुशियों का संचार होगा.

सिंह : दांपत्य जीवन में कोई सुखद घटना घट सकती है. जीवन साथी से संतान से संबंधित कोई शुभ समाचार मिल सकता है. जिससे आपके मन खुशियों से रहेगा. दांपत्य जीवन में सुख सौहार्द बढ़ेगा. प्रेम संबंधों में चली आ रही दुविधाएं समाप्त होगी. प्रेम विवाह की योजना बना रहे लोगों को परिजनों की ओर से सकारात्मक संकेत मिल सकते हैं.

कन्या : आज आपकी आध्यात्मिक कार्यों में अभिरुचि बढ़ेगी. ईश्वर के प्रति आस्था में वृद्धि होगी. कोई ऐसी घटना घट सकती है जिससे आप भावुक हो सकते हैं. प्रेम संबंधों में नया मोड़ आ सकता है. अपने साथी पर शक संदेह करने से बचें. किसी के बहकावे में कोई भी बड़ा निर्णय सोच समझकर करें. दांपत्य जीवन में पति-पत्नी के बीच घरेलू मामलों को लेकर मतभेद रहेंगे.

तुला : आज प्रेम संबंधों में एकदम नया मोड़ आ सकता है. प्रेम संबंध प्रगाढ़ हो सकते है. और वार्ता आरंभ हो सकती है. जिससे आपको बेहद खुशी का अनुभव होगा. दांपत्य जीवन मे ससुराल पक्ष से बढ़ते हस्तक्षेप के कारण आपको घुटन एवं तनाव का अनुभव होगा.

वृश्चिक : आज प्रेम संबंधों में असमंजस जैसी स्थिति रहेगी. अपने साथी की बातों को ध्यान से सुने. उनकी भावनाओं का ध्यान रखें. प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी. दांपत्य जीवन में दांपत्य सुख में कमी का आभास होगा. अपने व्यवहार को सकारात्मक रखें. संतान की ओर से कोई शुभ समाचार मिलेगा.

धनु : प्रेम संबंधों में आया तनाव दूर होगा. एक दूसरे के साथ सुखद समय व्यतीत करेंगे. प्रेस संबंध में प्रगाढ़ता आएगी. दांपत्य जीवन में पति-पत्नी के बीच दांपत्य सहयोग बढ़ेगा. पारिवारिक सदस्यों की समस्या कम होगी. किसी पुराने रिश्तेदार से यकायक भेंट हो सकती है. जिससे आपको बेहद खुशी होगी.

मकर : प्रेम संबंधों में नया सकारात्मक मोड़ आ सकता है. मन में प्रसन्नता बढ़ेगी. साथी से कोई शुभ समाचार मिल सकता है. दांपत्य जीवन में पति-पत्नी के मध्य दांपत्य सुख सहयोग में वृद्धि होगी. किसी अनजान व्यक्ति से अचानक घनिष्ठता न बढ़ाएं. सोच समझकर संबंधों को आगे बढ़ाएं.

कुंभ : किसी साथी से प्रेम प्रस्ताव मिल सकता है. जिससे आपको भारी खुशी होगी. पूर्व से चले आ रहे प्रेम संबंधों में आरोप प्रत्यारोप जैसी परिस्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं. शांतिपूर्वक विवादों को सुलझाएं. पति-पत्नी के मध्य दांपत्य सुख में कमी का आभास हो सकता है. संतान के हस्तक्षेप से पति-पत्नी के संबंधों में आया तनाव दूर होगा.

मीन : प्रेम संबंधों में किसी तीसरे व्यक्ति के कारण आई दूरियां समाप्त होगी. प्रेम संबंधों में आरोप प्रत्यारोप से बचें. अपने साथी की भावनाओं को समझें. प्रेम विवाह की योजना बना रहे लोगों को थोड़ा संयम से काम लेना होगा. इस दिशा में जल्दबाजी भविष्य के लिए घातक सिद्ध हो सकती है.

मिर्च लगाएं बगिया में बहार लायें

पौधशाला (नर्सरी) क्या है?-पौधशाला या रोपणी अथवा नर्सरी एक ऐसा स्थान हैं जहां पर बीज अथवा पौधे के अन्य भागों से नये पौधों को तैयार करने के लिये उचित प्रबंध किया जाता है. पौधशाला का क्षेत्र सीमित होने के कारण देखभाल करना आसान एवं सस्ता होता है.

पौधशाला के लिये स्थान का चुनाव

- पौधशाला के समीप बहुत बड़ा वृक्ष न हो.
- भूमि उपजाऊ, दोमट, खरपतवार रहित तथा अच्छे जल निकास वाली हो, अम्लीय/क्षारीय भूमि का चयन न करें.
- लंबे समय तक धूप रहती हो.
- पौधशाला के पास सिंचाई जल की सुविधा उपलब्ध हो.
- चयनित क्षेत्र अपेक्षाकृत ऊंचा हो ताकि पानी न ठहरे.
- एक फसल के पौध उगाने के बाद दूसरी बार पौध उगाने का स्थान बदल दें. यानी फसल चक्र अपनायें.

रोपणी का आकार

आदर्श नर्सरी या रोपणी के लिये कुल क्षेत्र की सीमा निश्चित तौर पर निर्धारित नहीं की जा सकती है. जितनी फसलों के लिये और जितने क्षेत्र की आवश्यकता के लिये पौध तैयार करना होती है उसके ऊपर पौधशाला का आकार/क्षेत्र निर्भर होता है.

पौधशाला में क्यारियों का आकार

सामान्यतया पौधशाला में क्यारियों का आकार लंबाई में 3 से 5 मी., चौड़ाई में 1.0 से 1.2 मीटर और ऊंचाई में भूमि से 15-20 से.मी. ऊंचा रखा जाता है.प्रत्येक दो क्यारियों के बीच में लंबाई एवं चौड़ाई में दोनों तरफ 50 से.मी. का स्थान आवागमन की सुविधा के लिये छोड़ा जाता है. एक फसल के एक हेक्टर क्षेत्र में आवश्यक पौध की संख्या का निर्धारण, पौध रोपाई का कतार से कतार एवं पौध से पौध का अंतर एवं एक स्थान पर रोपे जाने वाले पौधों की संख्या के ऊपर निर्भर होता है. सामान्यत: मिर्च के लिये रोपण अंतर 45345 से.मी.रखने पर 4 3 1 3 0.2 मी. आकार की 25-27 (100 से 108 वर्ग मी.) क्यारियों की आवश्यकता पड़ती है. उन्नत किस्मों के 1.2 कि.ग्रा. बीज और संकर किस्मों के लिये 400 से 500 ग्राम बीज प्रति हेक्टर की आवश्यकता होती है.

क्यारियों की तैयारी एवं उपचार

पौधशाला की मिट्टी की एक बार गहरी जुताई करें या फिर फावड़े-गैंती की मदद से खुदाई करें.खुदाई करने के पश्चात् ढेले फोड़कर गुड़ाई करके मिट्टी को भुरभुरी बना लें तथा उगे हुए सभी खरपतवार निकाल दें. फिर उचित आकार की क्यारियां बनायें. इन क्यारियों में प्रति वर्ग मीटर की दर से 2 कि.ग्रा. गोबर या कम्पोस्ट की सड़ी खाद या फिर 500 ग्राम केंचुए की खाद मिट्टी में अच्छी तरह मिलायें. यदि मिट्टी हल्की भारी हो तो प्रति वर्ग मीटर के लिये 2.5 कि.ग्रा. रेत अवश्य मिलायें.

क्यारी मिट्टी का उपचार

भूमि में विभिन्न प्रकार के कीड़े एवं रोगों के फफूंद, जीवाणु आदि पहले से रहते हैं जो उपयुक्त वातावरण पाकर क्रियाशील हो जाते हैं व आगे चलकर फसल को विभिन्न अवस्थाओं में हानि पहुंचाते हैं. अत: नर्सरी की मिट्टी का उपचार करना आवश्यक है.

सूर्यताप से उपचार

इस विधि में पौधशाला में क्यारी बनाकर उसकी जुताई-गुड़ाई करके हल्की सिंचाई कर दी जाती है जिससे मिट्टी गीली हो जाये. अब इस मिट्टी को पारदर्शी 200-300 गेज मोटाई की पालीथिन की चादर से ढंककर किनारों को मिट्टी या ईंट से दवा दें ताकि पालीथिन के अंदर बाहरी हवा और अंदर की वाष्प बाहर न निकल सके. ऐसा उपचार लगभग 4-5 सप्ताह तक करें. यह कार्य 15 अप्रैल से 15 जून तक किया जा सकता है. क्योंकि इस समय तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहता है.उपचार उपरांत पालीथिन शीट हटाकर भूमि की तैयारी कर बीज बोयें. सूर्यताप उपचार से भूमि जनित रोग कारक जैसे फफूंदी, निमेटोड (सूत्रकृमि), कीट खरपतवार आदि की संख्या में भारी कमी हो जाती है. कभी-कभी क्यारी की भूमि को व्यावसायिक फार्मेल्डिहाइड 40 प्रतिशत से, 250 मि.ली. 10 लीटर पानी में बने घोल से प्रत्येक क्यारी को गीला कर देते हैं और क्यारी को पहले की ही तरह पालीथिन शीट से ढंक देते हैं. 5-6 दिन बाद शीट हटाकर गुड़ाई करके 1-2 दिन के लिये खुला छोड़ देते हैं. तदुपरांत क्यारी तैयार कर बीज बोते हैं.

रसायनों द्वारा भूमि उपचार

बीज बोवाई के 4-5 दिन पहले क्यारी को फोरेट 10 जी एक ग्राम अथवा क्लोरोपायरीफास 5 मि.ली. प्रति ली. पानी के हिसाब से अथवा कार्बोफ्यूरान 5 ग्राम प्रति वर्गमीटर के हिसाब से भूमि में मिलाकर उपचार करते हैं. कभी-कभी फफूंदनाशक दवा कैप्टान 2 ग्राम/वर्ग मीटर के हिसाब से मिलाकर भी भूमि उपचार किया जाता है.

जैविक विधि

क्यारी की भूमि का जैविक विधि से उपचार करने के लिये ट्राइकोडर्मा विरडी की 8-10 ग्राम मात्रा को 10 किलो गोबर खाद में मिलाकर क्यारी में बिखेर देते हैं तत्पश्चात् सिंचाई कर देते हैं. जब भूमि का जैविक विधि से उपचार करें तब अन्य किसी रसायन का प्रयोग न करें.

बीज खरीदने में सावधानियां

- बीज अनुशंसित किस्म का शुद्ध एवं साफ हो. द्य अंकुरण क्षमता 80-85 प्रतिशत हो.
- बीज किसी प्रमाणित संस्था, शासकीय बीज विक्रय केंद्र, अनुसंधान केंद्र अथवा विश्वसनीय विक्रेता से ही लेना चाहिए. बीज प्रमाणिकता का टैग लगा पैकेट खरीदें.
- बीज खरीदते समय पैकेट पर अंकित किस्म, उत्पादन वर्ष, अंकुरण प्रतिशत, बीज उपचारण आदि अवश्य देख लें. ताकि पुराने बीज से बचा जा सके.
- बीज बोते समय ही पैकेट खोलें.

खरपतवार नियंत्रण

क्यारियों में उपचार के बाद भी यदि खरपतवार उगते हैं तो उन्हें हाथ से निकालते रहना चाहिए इसके लिये पतली लंबी डंडियों की भी मदद ली जा सकती है. अच्छा होगा यदि पेन्डीमिथालीन (स्टाम्प 34) की 3 मि.ली. मात्रा प्रति ली. पानी में घोलकर बीज बुवाई के 48 घंटे की भीतर क्यारियों में छिड़क दें, उससे खरपतवार की समस्या का निदान हो जायेगा.

बीज उपचार

रोपणी में बीज को सदैव उपचारित करके ही बोना चाहिये ताकि बीज जनित फफूंद से फैलने वाले रोगों को नियंत्रित किया सके. बीज उपचार के लिये 1.5 ग्राम थाइरम+1.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम (बाविस्टीन) अथवा 2.5 ग्राम डाइथेन एम-45 या 4 ग्राम ट्राइकोडर्मा विरडी का प्रति किलो बीज के हिसाब से प्रयोग करना चाहिए. यदि क्यारी की भूमि का उपचार जैविक विधि से (ट्राइकोडर्मा) से किया गया है तो बीजोपचार भी ट्राइकोडर्मा विरडी से करें.

बीज बोने की विधि

क्यारियों में सर्वप्रथम उसकी चौड़ाई के समानान्तर 7-10 से.मी. की दूरी पर 1 से.मी. गहरी पंक्तियां बना लें तथा इन्हीं पंक्तियों पर बीज लगभग 1 से.मी. के अंतर से बोते हैं. बीज बोने के पश्चात कम्पोस्ट, मिट्टी व रेत के 1:1:1 के 5-6 ग्राम थाइरम या केप्टान से उपचारित मिश्रण से 0.5 से.मी. की ऊंचाई तक ढंक देते हैं.

क्यारियों को पलवार से ढंकना

बीज बोने के बाद स्थानीय स्तर पर उपलब्ध पुआल, सरकन्डा गन्ने के सूखे पत्ते या ज्वार-मक्का के बने टटिये से ढंक देते हैं. ताकि मिट्टी में नमी बनी रहे और सिंचाई करने पर पानी सीधे ढंके हुए बीजों पर न पड़े अन्यथा मिश्रण बीज से हट जायेगा और बीज का अंकुरण प्रभावित होगा.

सिंचाई

क्यारियों में बीज बोने के बाद 5-6 दिनों तक हजारे/झारे से हल्की सिंचाई करें ताकि बीज ज्यादा पानी पाकर बैठ न जाये. वर्षाऋतु में क्यारी की नालियों में उपस्थित अधिक पानी को पौधशाला से बाहर निकालना चाहिए. क्यारियों से पलवार/घास-फूस तब हटायें जब लगभग 50 प्रतिशत बीजों का अंकुरण हो चुका हो. बीज बुवाई के बाद यह अवस्था मिर्च में 7-8 दिन बाद, टमाटर में 6-7 दिन बाद व बैंगन में 5-6 दिन बाद आती है.

जरूरी है मिट्टी की नब्ज टटोलना

मिट्टी परीक्षण के लाभ

- मिट्टी परीक्षण से उपलब्ध पोषक तत्वों की मात्रा का पता चलती है तथा जरूरत के मुताबिक संतुलित उर्वरक देना आसान हो जाता है.
- उर्वरकों के संतुलित उपयोग से उपज अधिक तथा लागत में कमी एवं शुद्ध लाभ में वृद्धि होती है।

- खेत की उपजाऊ शक्ति लम्बे समय तक बनी रहती है। मिट्टी परीक्षण जैविक खेती का आधार मुख्य है।

खेत की मिट्टी का परीक्षण कैसे करायें।

- मिट्टी का परीक्षण कराने के लिये खेत से मिट्टी का नमूना लेकर उसे पास की मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला में भेजा जाता है। खेत से मिट्टी का नमूना लेना बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य है।

नमूना लेने का तरीका

- पूरे खेत को आकार एवं समरूपता के आधार पर 1 से 2.5 एकड़ के खण्ड में बांट लेते हैं।
- प्रत्येक खण्ड को एक नम्बर या नाम देते हैं।
- प्रत्येक खण्ड से मिट्टी का एक नमूना तैयार किया जाता है।
- एक नमूना तैयार करने के लिये उस खंड में (जिसका नमूना तैयार करना है।) 10 से 20 स्थानों से आधा-आधा किलो मिट्टी इकट्ठी करते हैं।
- प्रत्येक स्थान से मिट्टी लेते समय मिट्टी की ऊपरी परत से कचरा एवं डंठल साफ कर देना चाहिए।
- साफ करने के बाद प्रत्येक स्थानर पर व्ही के आकार का 15-20 सेमी गहरा गड्ढा करते है।
- हर स्थान से गडढे के किसी भी किनारे से गहराई में ऊपर से नीचे तक की एक इंच मोटी मिट्टी की तह को प्लास्टिक की बाल्टी या कपड़े में इकट्ठा करते हैं।
- एकत्र मिट्टी का एक ढेर बनाकर (+) धन का निशान बनाते हुये ढेर को चार बराबर भागों में बांटते हैं।
- आमने-सामने के दो भागों की मिट्टी को हटाकर शेष दो भागों की मिट्टी का ढेर बनाते है।
- इसके बाद पुन: क्र. 8 से 9 की क्रिया दोहराते हैं।
- जब आधा किलो का ढेर शेष रह जाये वही उस खण्ड का मिट्टी का नमूना होगा।
- इस नमूने को कपड़े की थैली में भरकर एक नमूना पत्रक (जिसमें कृषक का नाम, पता, खेत का नाम या नम्बर, बोई जाने वाली फसल, नमूने लेने का दिनांक, खेत का क्षेत्रफल आदि लिखा हो) थैली के अंदर डालते हैं।
- यह नमूना परीक्षण कराने हेतु ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी के माध्यम से अथवा स्वयं मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला में पहुंचाना चाहिये।

गहरी जुताई करने से पौधों की जड़ें पर्याप्त गहराई तक भूमि में जाती है, जिससे सूखे की स्थिति में पौधे की जड़े निचली सतहों से नमी का भरपूर उपयोग करती है. गर्मी के मौसम में हल्की मिट्टियों मे कम जुताई करके भी सिंचाई करके उसकी बोआई की जा सकती है.

गर्मी में उड़द उगायें लाभ कमायें

मौसम संबंधी अनुकूलता

उड़द के अधिक उत्पादन के लिए जनन अवस्था में खूब चमकीली धूप चाहिए क्योंकि चमकीली धूप से फली निर्माण अधिक होता है और उपज अच्छी होती है.

खेत की तैयारी

उड़द को जिस खेत में बोना है, उसमें पहले उपयुक्त हल से जुताई करें, फिर हैरो चलावें और पाटा लगाकर खेत को समतल करें. गहरी जुताई करने से पौधों की जड़ें पर्याप्त गहराई तक भूमि में जाती है, जिससे सूखे की स्थिति में पौधे की जड़े निचली सतहों से नमी का भरपूर उपयोग करती है. गर्मी के मौसम में हल्की मिट्टियों मे कम जुताई करके भी सिंचाई करके उसकी बोआई की जा सकती है. इससे समय धन और श्रम की पर्याप्त बचत हो जाती है और अच्छी उपज मिल जाती है.

बुआई का समय

गर्मी के मौसम में उड़द की फसल को मार्च के आखिरी दिनों या 10 अप्रैल तक बोना उपयुक्त समझा जाता है. इस अवधि में बोई गई फसल से अधिकतम उपज मिलने के प्रमाण मिले हैं. इस मौसम में बुआई में देरी करने से यदि बरसात जल्दी हो जाती है तो उड़द की फलियाँ सड़ जाती हैं और उपज घट जाती है.

पादप सघनता और बीज दर

उड़द की अधिक उपज प्राप्त करने के लिए उचित पादप संख्या आवश्यक है. गर्मी के मौसम में उगाई गई उड़द की फसल में पौध संख्या खरीफ की तुलना में अधिक होती है क्योंकि खरीफ के मौसम में पादप वृद्धि अधिक होती है जबकि गर्मी के मौसम में उड़द की पादप वृद्धि अपेक्षाकृत कम होती है.ग्रीष्मकाल में उड़द के लिये 20 किलोग्राम प्रति हेक्टर बीज पर्याप्त होता है. कतारों में 30 से.मी. अंतर और पौधे से पौधे की दूरी 7 से.मी. रखें. बीज की गहराई 4 से.मी. रखें.

उन्नत किस्म का चुनाव

विभिन्न राज्यों के लिये अनुमोदित की गई जायद मौसम (गर्मियों में) बोई जाने वाली उड़द की उन्नत जातियाँ

आहार पोषण

43 किलो यूरिया, 250 किलो सिंगल सुपर फास्फेट तथा 66 किलो पोटाश/हे. दिया जाये. उड़द की ग्रंथिकायुक्त जड़ों में यौगिकीकरण की प्रक्रिया अच्छी तरह होती है जिससे उसकी नाइट्रोजन आवश्यकता लगभग पूरी हो जाती है. अधिकांश क्षेत्रों में जहां उड़द की खेती की जाती है, वहाँ मिट्टी से संबंधित जीवाणुओं की पर्याप्त संख्या होती है जिससे इन क्षेत्रों में बीज निवेशन की आवश्यकता नहीं पड़ती है. नयी तोड़ी गई भूमि में ऐसे क्षेत्रों में जहां इसकी खेती पिछले कई वर्षों में नहीं गई है बीज निवेशन अवश्य करना चाहिए.

निंदाई-गुड़ाई

खरपतवार फसलों को अपेक्षाकृत अनुमान से कहीं अधिक क्षति पहुंचाते हैं अत: विपुल उत्पादन के लिये अपनाये महंगे कृषि प्रसाधन, खरपतवारों की वजह से व्यर्थ न जाने पायें, इसके लिये समय-समय पर निंदाई-गुड़ाई कोल्पा या डोरा चलाकर करें. (बुआई के 30 दिन बाद) खरपतवार नियंत्रण से दाने की उपज पर्याप्त बढ़ जाती है.

सिंचाई

बसंतकालीन और ग्रीष्मकालीन उड़द की फसल पूरी तरह सिंचाई पर निर्भर करती है. बसंत ऋतु में 10 से 15 दिन के अंतर पर फसल की सिंचाई करना आवश्यक होता है. पहली सिंचाई बुआई के 20 दिन बाद करनी चाहिए. इस मौसम में उड़द में मूंग की अपेक्षा अधिक जल्दी सिंचाई करनी पड़ती है. पैदावार : जायद में बोई गई उड़द की शुद्ध बीज वाली फसल की पैदावार 12 से 15 क्विंटल प्रति हे. तक हो सकती है.

जिम्बाब्वे के खिलाफ तीसरे टी20 में भी जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

हरारे। दूसरे टी20 में बड़ी जीत से उत्साहित भारतीय क्रिकेट टीम अब यहां बुधवार को मेजबान जिम्बाब्वे के खिलाफ अपनी जीत का सिलसिला बनाये रखने उतरेगी। भारतीय टीम ने अभिषेक शर्मा के आतिशी शतक की सहायता से दूसरे टी20 में 234 रन बनाकर 100 रनों से जीत दर्ज की थी। दूसरे टी20 में भारतीय टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी काफी अच्छी थी। अभिषेक के अलावा रुतुराज गायकवाड़ ने अर्धशतक लगाया था। वहीं रिंकू सिंह ने भी अच्छी बल्लेबाजी कर 48 रन बनाये थे। इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने मेजबानों को आसानी से 134 रनों पर ही समेट दिया था। अब इस तीसरे मैच में यशस्वी जायसवाल, शिवम दुबे और संजू सैमसन की वापसी से

भारतीय टीम की बल्लेबाजी और भी बेहतर हो जाएगी। यशस्वी , सैमसन और शिवम के आने से दूसरे मैच में शामिल कुछ खिलाड़ियों को बाहर बैठना पड़ेगा। ऐसे में माना जा रहा है कि सैमसन को विकेटकीपर ध्रुव जुरेल की जगह रखा जाएगा जबकि यशस्वी को साई सुदर्शन की जगह शामिल किया जाएगा। यशस्वी के आने से टीम प्रबंधन को बल्लेबाजी क्रम भी बदलना पड़ा है। अभिषेक और रुतुराज को भी यशस्वी के कारण नंबर 3 और 4 स्थान पर उतरना पड़े। इसके अलावा शिवम दुबे को रियान पराग की जगह रखा जाएगा। पराग अपने डेब्यू मैच में दो रन ही बना पाये थे। बल्लेबाजी के अलावा शिवम अपनी मध्यम गति की गेंदबाजी के साथ टीम के लिए बेहतर साबित होंगे। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो तेज गेंदबाज आवेश खान और मुकेश कुमार बरकरार रहेंगे। ऐसे में खलील अहमद और तुषारदेशपांडे बाहर ही रहना होगा। वाशिंगटन सुंदर और रवि बिश्नोई की स्पिनर जोड़ी ने पहले दो मैचों में अच्छी गेंदबाजी की थी और उन्हें भी इस मैच में बनाये रखना तय है। वहीं दूसरी ओर मेजबान टीम को इस मैच में भारतीय टीम का सामना करने के लिए अपना स्तर काफी ऊंचा करना पड़ेगा जो वर्तमान हालतों में संभव नजर नहीं आ रहा है। दूसरे टी20 में मेजबान टीम भारतीय टीम का किसी भी क्षेत्र में मुकाबला नहीं कर पायी थी। ऐसे में इस मैच में भारतीय टीम ही जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। अभी तक दोनो ही टीमों ने एक-एक मैच जीते हैं जिससे ये सीरीज 1-1 से बराबरी पर है।

दोनो ही टीमों की संभावित अंतिम ग्यारह

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, अभिषेक शर्मा, रुतुराज गायकवाड़, संजू सैमसन (विकेट कीपर), शिवम दुबे, रिंकू सिंह, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, आवेश खान, मुकेश कुमार।

जिम्बाब्वे : सिकंदर रज़ा (कप्तान), तदिवानाशे मारुमनी, इनोसेंट कैया, ब्रायन बेनेट, डायोन मायर्स, जॉनाथन कैंपबेल, क्लाइव मैडेंडे (डब्ल्यू), वेस्ली मधेवेरे, ल्यूक जोंगवे, ब्लेसिंग मुज़ारबानी, तेंडाई चटारा।

गावस्कर ने रोहित को कपिल और धोनी जैसा कप्तान बताया

मुम्बई। लिटिल मास्टर के नाम से लोकप्रिय रहे बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने रोहित शर्मा को कपिल देव और महेन्द्र सिंह धोनी जैसा कप्तान बताया है। रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम ने टी20 विश्व कप जीता है। इसके अलावा उनकी कप्तानी में टीम एकदिवसीय विश्वकप में उपविजेता रही। गावस्कर ने कहा, रोहित उन दो अन्य क्रिकेट दिग्गजों, कपिल देव और धोनी के साथ शामिल हो गए हैं, जिन्होंने भारत को विश्व कप ट्रॉफी दिलाई है। इन दोनों की तरह, रोहित भी लोगों के कप्तान हैं। उन्हें उनकी टीम के सदस्यों के अलावा पूरे भारतीय क्रिकेट समुदाय में काफी पसंद किया जाता है। क्रिकेट प्रशंसकों को उनकी नेतृत्व शैली भी पसंद है और रणनीति के मामले में वे खेल में सबसे तेज हैं। उनके कुछ कदम आपको हैरान भी कर

सकते हैं पर अंतिम परिणाम अक्सर वही होता है जिसकी टीम को उस समय जरूरत होती है। गावस्कर ने रोहित और राहुल द्रविड़ की कप्तान-कोच जोड़ी की की जमकर तारीफ की जिन्होंने भारत को ट्रॉफी जीतने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि द्रविड़ के नेतृत्व में सहयोगी स्टाफ ने भी जीत में अहम भूमिका निभाई।

द्रविड़ को केकेआर से मेंटोर बनने का प्रस्ताव मिला

मुम्बई। भारतीय टीम को टी20 विश्वकप जिताने वाले कोच राहुल द्रविड़ अब कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के मेंटोर बन सकते हैं। विश्वकप के साथ ही द्रविड़ का भारतीय टीम के कोच पद से कार्यकाल समाप्त हो गया है। इसी के बाद उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा था कि अब मेरे पास कोई काम नहीं है। अगर कोई हो तो बतायें। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार द्रविड़ को आईपीएल विजेता टीम कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) से प्रस्ताव मिला है और वह उसके मेंटोर बन सकते हैं। इस प्रस्ताव में जितनी रकम की पेशकश की गयी है वह भारतीय टीम के कोच को मिलने वाली रकम से कहीं अधिक है। अगर यह द्रविड़ यह ऑफर स्वीकार करते हैं तो एक

तरह से केकेआर और टीम इंडिया के बीच अदलाबदली जैसी स्थिति बन जाएगी क्योंकि भारतीय टीम के कोच बनने जा रहे गौतम गंभीर अब तक केकेआर के मेंटोर रहे हैं। गंभीर का भारतीय कोच के लिए नाम तकरीबन तय हो गया है। कुछ ही दिनों में इसकी औपचारिक घोषणा हो सकती है। अगर ऐसा होता है तो गंभीर और द्रविड़ की भूमिका एकदम विपरीत हो जाएगी। दो महीने पहले जो गंभीर केकेआर के मेंटोर थे, वो जिम्मेदारी द्रविड़ संभाल लेंगे। दूसरी ओर, महज 10 दिन पहले जो जिम्मेदारी द्रविड़ के पास थी, वह गौतम गंभीर को मिल जाएगी। वहीं ये भी कहा जा रहा है कि द्रविड़ को केकेआर के अलावा अन्य टीमों से भी कोच बनने का प्रस्ताव मिला है।

अवसर मिले तो फेडरर के साथ क्रिकेट खेलना चाहेंगे सचिन

लंदन। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर क्रिकेट के अलावा अन्य खेलों में भी रुचि रखते हैं। आजकल वह इंग्लैंड में विंबलडन टेनिस का आनंद ले रहे हैं। तेंदुलकर जब विंबलडन कोर्ट पर पहुंचे तो उनका शानदार स्वागत भी हुआ। इस दौरान जब इस क्रिकेटर ने जब पूछा गया कि वह किसी टेनिस खिलाड़ी के साथ क्रिकेट खेलना चाहेंगे तो उन्होंने स्विटजरलैंड के पूर्व टेनिस स्टार रोजर फेडरर का नाम लिया। सचिन ने इसका कारण बताते हुए कहा कि फेडरर का क्रिकेट से भी नाता रहा है। उनकी मां दक्षिण अफ्रीका से हैं। वहीं जब पूछा गया कि उन्हें टेनिस खेलना हो तो वे किसके साथ कोर्ट में उतरेंगे। तो सचिन ने कहा कि वह शेन वार्न के साथ टेनिस खेलना चाहते पर अब वह इस दूनिया में नहीं हैं। हालांकि उन्होंने वार्न के साथ टेनिस खेला था। वहीं किसी दूसरे क्रिकेटर की बात करें तो वह युवराज सिंह के साथ टेनिस खेलना चाहेंगे।

सिंधु पेरिस ओलंपिक में होंगी भारत की महिला ध्वजवाहक , नारंग शेफ-डी-मिशन बने

नई दिल्ली। महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु टेबल को पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए भारतीय टीम की महिला ध्वजवाहक बनाया गया है। वहीं पुरुष वर्ग से टेबल टेनिस खिलाड़ी ए शरथ कमल को ध्वजवाहक बनाया गया था। ऐसे में अब सिंधु पेरिस ओलंपिक 2024 के उद्घाटन समारोह में शरथ कमल के साथ भारतीय ध्वज उठासे नजर आयेंगी। वहीं इससे पहले गगन नारंग को भारतीय दल के शेफ-डी-मिशन के रूप में एमसी मैरी कॉम की जगह रखा गया है। आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा कि सिंधु, शरथ कमल के साथ उद्घाटन समारोह में महिला ध्वजवाहक होंगी। सिंधु को रियो 2016 ओलंपिक में स्पेन की कैरोलिना मारिन के खिलाफ मिली हार के बाद रजत पदक से ही संतोष करना पड़ा था। शोपीस इवेंट के फाइनल में पहुंचने वाली

पहली भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी बन गईं। सिंधु ने साल 2019 में फिर से एक नया रिकार्ड बनाया। तब उन्होंने विश्व चैंपियनशिप जीती थी। उन्होंने इसके साथ ही ओलंपिक विजेता झांग निंग के 5 पदक के रिकॉर्ड की भी बराबरी की थी। उषा ने कहा कि मैरी कॉम के इस्तीफे के बाद 41 वर्षीय गगन नारंग को डिप्टी शेफ-डी-मिशन के पद से पदोन्नत कर शेफ-डी-मिशन बनाना स्वाभाविक था।

व्यापार

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स अस्सी हजार, निफ्टी 24 हजार के ऊपर निकला

मुम्बई। घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही वाहन और उपभोक्ता क्षेत्र की कंपनियों के शेयरों में आई तेजी से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधरित बीएसई सूचकांक सेंसेक्स 391.26 अंक करीब 0.49 फीसदी बढ़कर 80,351.64 अंक के नए स्तर पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 112.65 अंक तकरीबन 0.46 फीसदी ऊपर आया है। निफ्टी अंत में 24,433.20 अंक के नए रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 18 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये हैं। आज वाहन क्षेत्र के शेयरों मुख्य रूप से हाइब्रिड कार मेकर्स मारुति सुजुकी के शेयरों में 6 फीसदी से ज्यादा की बढ़त रही। मारुति के अलावा एमएंडएम , आईटीसी, टाइटन और सन फार्मा के शेयर भी सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे। इसके अलावा, नेस्ले इंडिया, टाटा मोटर्स, एलएंडटी, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फिनसर्व, अल्ट्राटेक सीमेंट, एसबीआई, टीसीएस, एशियन पेंट्स, पावर ग्रिड, अदाणी पोर्ट्स, एचडीएफसी

बैंक और एचयूएल के शेयर भी लाभ के साथ ही ऊपर आये हैं। वहीं, दूसरी तरफ सेंसेक्स के 30 शेयरों में 12 शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये हैं। इनमें रिलायंस, कोटक बैंक, बजाज फाइनेंस, जेएसडब्ल्यू स्टील और इंफोसिस के शेयर रहे। इसके अलावा, टाटा स्टील, इंडसइंड बैंक, एचसीएल टेक, एनटीपीसी, भारती एयरटेल, एक्सिस बैंक और टेक महिंद्रा के शेयर भी गिरे हैं। इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई। बीएसई का बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स 160 अंकों की बढ़त के साथ 80,107.21 पर खुला। जबकि एनएसई का निफ्टी-50 करीब 30 अंकों की बढ़त के साथ 24,351 पर खुला। शेयर बाजार खुलते ही मारुति सुजूकी के शेयरों ने 3 फीसदी से ज्यादा की सबसे तगड़ी बढ़त दर्ज की। टॉप गेनर्स की लिस्ट में मारुति सुजूकी के अलावा, लॉर्सन एंड टुब्रो, इंडसंड बैंक, यूटीसी, एसबीआईएन, महिंद्रा एंड महिंद्रा, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन, बजाज फाइनेंस जैसे शेयर रहे। वहीं जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयरों में सबसे ज्यादा-0.43 फीसदी की गिरावट देखने को मिली। दूसरी ओर दूनिया भर बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में, सियोल, टोक्यो और शंघाई ऊपर आये हैं जबकि हांगकांग का बाजार नीचे आया है। इसके अलावा यूरोपीय बाजार अधिकतर गिरावट पर कारोबार करते दिखे हैं। ऑस्ट्रेलिया के एएसएक्स 200 में 0.60 फीसदी की तेजी देखी गई। एसएंडपी 500 और नैस्डैक कंपोजिट में मामूली बढ़त के साथ नई रिकॉर्ड ऊंचाई पर बंद हुआ, जबकि नेस्डेक 0.3 फीसदी चढ़ा। इसके विपरीत, डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 0.1 फीसदी की गिरावट देखी गई। वहीं शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गत दिवस 60.98 करोड़ रुपये की इक्विटी खरीदी।

सोना 72300 और चांदी 92,500 के पार

नई दिल्ली। कारोबारी सप्ताह के दूसरे दिन मंगलवार को सोना-चांदी की कीमतों में मामूली बढ़त देखने को मिली है। मंगलवार को सोने का भाव लगभग 20 रुपये प्रति 10 ग्राम मजबूत हुआ है, जबकि चांदी में भी करीब 20 रुपये प्रति किलो की बढ़त देखने को मिली है। इससे पहले सोमवार को सोना और चांदी दोनों धातुओं की कीमतों में उछाल दर्ज किया गया है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर मंगलवार को 5 अगस्त की वायदा डिलीवरी वाला सोना 72343 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर कारोबार कर रहा है, जबकि 4 अक्टूबर की वायदा डिलीवरी वाला सोना 72755 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा 5 दिसंबर की फ्यूचर डिलीवरी वाला सोने में लगभग 250 रुपये की गिरावट दर्ज की गई है, जिसके बाद यह 72964 रुपये प्रति 10 ग्राम के

भाव पर कारोबार कर रहा है। इससे पहले सोमवार को आखिरी सत्र में 5 अगस्त की वायदा डिलीवरी वाला सोना 72333 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बंद हुआ था, जबकि 4 अक्टूबर की डिलीवीरी वाला सोना 72736 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बंद हुआ था। इसके अलावा 5 दिसंबर की फ्यूचर डिलीवरी वाला सोना 73212 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बंद हुआ था। वहीं चांदी की कीमत में मामूली गिरावट दर्ज की गई है। एमसीएक्स पर 5 सितंबर की वायदा डिलीवरी वाली चांदी 17 रुपये गिरकर 92631 रुपये प्रति किलो के भाव पर कारोबार कर रही है, जबकि 5 दिसंबर की फ्यूचर डिलीवरी वाली चांदी 9 रुपये लुढ़क कर 95357 रुपये प्रति किलो के भाव पर कारोबार कर रहा है।

मुंबई में सीएनजी-पीएनजी की कीमतें बढ़ीं

मुंबई। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में गाड़ी चलाना और खाना पकाना महंगा हो गया है। महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) ने सीएनजी और घरेलू पाइपलाइन गैस (पीएनजी) की कीमतें बढ़ा दी हैं। बढ़े हुए 9 जुलाई, से लागू हो गए हैं। दिल्ली के बाद मुंबई में सीएनजी के दाम 1.50 रुपये प्रति किलो बढ़ गए हैं जबकि पाइप के जरिए रसोई में पहुंचने वाली गैस (पीएनजी) की कीमत एक रुपये बढ़ गई है। कंपनी ने कहा कि सीएनजी और पीएनजी की बढ़ती मात्रा को पूरा करने और घरेलू गैस आवंटन में कमी के कारण, एमजीएल अतिरिक्त बाजार मूल्य पर प्राकृतिक गैस (आयातित एलएनजी) ले रही है। इसके चलते गैस की लागत बढ़ गई है। बयान के अनुसार, गैस लागत में वृद्धि को आंशिक रूप से पूरा करने के लिए एमजीएल ने मुंबई और उसके आसपास सीएनजी की

कीमत 1.50 रुपये प्रति किलोग्राम और घरेलू पीएनजी की कीमत एक रुपये प्रति मानक घन मीटर बढ़ा दी है। इस वृद्धि के बाद सीएनजी की संशोधित कीमत सभी टैक्स सहित 75 रुपये प्रति किलोग्राम होगी। वहीं मुंबई तथा उसके आसपास घरेलू पीएनजी की कीमत 48 रुपये प्रति एससीएम होगी। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय राजधानी और आसपास के शहरों के लिए इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड ने 22 जून को दिल्ली में सीएनजी की कीमत एक रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ाकर 75.09 रुपये कर दी थी। हालांकि, कंपनी ने पीएनजी के दाम संशोधित नहीं किए और यह 48.59 रुपये प्रति एससीएम पर बनी हुई है।

रुपया डॉलर के मुकाबले 83.50 पर स्थिर

मुंबई। देश के सराफा बाजारों में रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 83.50 पर स्थिर रहा। विदेशी बाजारों में डॉलर के मजबूत होने से स्थानीय मुद्रा पर पड़ रहा दबाव कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से कम हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया एक पैसे की बढ़त के साथ 83.49 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद 83.49 से 83.51 प्रति डॉलर के बीच सीमित दायरे में कारोबार करता रहा। रुपया सुबह नौ बजकर 25 मिनट पर 83.50 प्रति डॉलर पर कारोबार कर रहा था। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.50 पर बंद हुआ था। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि मिश्रित वैश्विक संकेतों के कारण रुपया शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में रहा। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 प्रतिशत की बढ़त के साथ 105.03 पर रहा।

टमाटर के भाव आसमान छूने लगे

जालंधर। मानसून की एंट्री के बाद बेशक लोगों को गर्मी से राहत मिली लेकिन सभी सब्जियों के दाम बढ़ने से रसोई का बजट डगमगा गया है। हिमाचल में लगातार बारिश होने के कारण टमाटर के भाव आसमान छूने लगे हैं। इसके अलावा आलू और प्याज समेत अन्य सब्जियों के दाम भी काफी बढ़ गए हैं। रिटेल में जो टमाटर 80 रुपए प्रति किलो बिक रहा है, वह मकसूदां मंडी में 40 से 50 रुपए किलो में बिक रहा है। एक महीने पहले टमाटर 30 से 35 रुपए किलो था। इसी के साथ-साथ प्याज, आलू, गोभी, शिमला मिर्च, बीन्स, हरी मिर्च, घीया, बंदगोभी, बैंगन, भिंडी, अरबी, करेले आदि सब्जियां महंगी बिक रही हैं। जब तक हिमाचल प्रदेश में बारिश रुक नहीं जाती, तब तक सब्जियों के दामों में कमी आने की कोई उम्मीद नहीं है। दरअसल हिमाचल प्रदेश

बड़ी मात्रा में टमाटर सप्लाई करता है लेकिन भरी बारिश के चलते नदियां उफान पर हैं और कई जगहों पर लैंडस्लाइड देखने को मिला है जिस कारण सड़कें बंद हो जाने से टमाटर और हिमाचल से आने वाली सब्जियों की सप्लाई भी कम होने लगी है। हालांकि यह पहली बार नहीं है जब टमाटर की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। पिछले साल मानसून के दौरान टमाटर 350 से 400 रुपए किलो तक बिका था।

बॉक्स ऑफिस पर कल्कि 2898 एडी का दबदबा कायम

वर्ल्डवाइड 1000 करोड़ के करीब पहुंची प्रभास की फिल्म

नाग अश्विन की साइंस फिक्शन फिल्म कल्कि 2898 एडी घरेलू और वर्ल्ड बॉक्स ऑफिस पर सफलतापूर्वक चल रही है. रिलीज के दिन से ही फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है. नाग अश्विन की साई-फाई में प्रभास, दीपिका पादुकोण, अमिताभ बच्चन, कमल हासन खास रोल प्ले कर रहे हैं. आइए जानते हैं फिल्म ने अपनी रिलीज के 10 वें दिन कितनी कमाई की. प्रभास स्टारर फिल्म ने रिलीज के दसवें दिन, इस फिल्म ने लगभग 34 करोड़ रुपये कमाए, जिससे घरेलू बॉक्स ऑफिस पर इसकी कुल कमाई 460 करोड़ रुपये से ज्यादा हो गई. रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रभास की फिल्म कल्कि 2898 एडी ने अपने दसवें दिन लगभग 466 करोड़ रुपये की कमाई की. रिलीज के 10 दिनों के अंदर ही इसका वर्ल्डवाइड कलेक्शन 800 करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया है. जल्द ही फिल्म वर्ल्ड वाइड 1000 करोड़ रुपये कमा लेगी. यह फिल्म 27 जून को छह भाषाओं - तेलुगु, तमिल, मलयालम, कन्नड़, हिंदी और अंग्रेजी में सिनेमाघरों में रिलीज हुई. दसवें दिन) को कल्कि ने तेलुगु में लगभग 11 करोड़ रुपये, तमिल में 3 करोड़ रुपये और हिंदी में 18.5 करोड़ रुपये कमाए. कल्कि 2898 एडी नाग अश्विन द्वारा लिखित और निर्देशित एक साइंस-फिक्शन एक्शन एडवेंचर फिल्म है. मेगा-बजट फिल्म साई-फाई और भारतीय पौराणिक कथाओं का मिश्रण है. इसमें प्रभास, दीपिका पादुकोण, अमिताभ बच्चन और कमल हासन खास रोल में हैं. वहीं जबकि शोभना, पसुपति, सास्वता चटर्जी, अन्ना बेन, दिशा पटानी और ब्रह्मानंदम सपोर्टिंग रोल में हैं.

द बकिंघम मर्डर्स की रिलीज डेट आउट, 13 सितंबर को पर्दे पर आएगी करीना कपूर की मर्डर मिस्ट्री

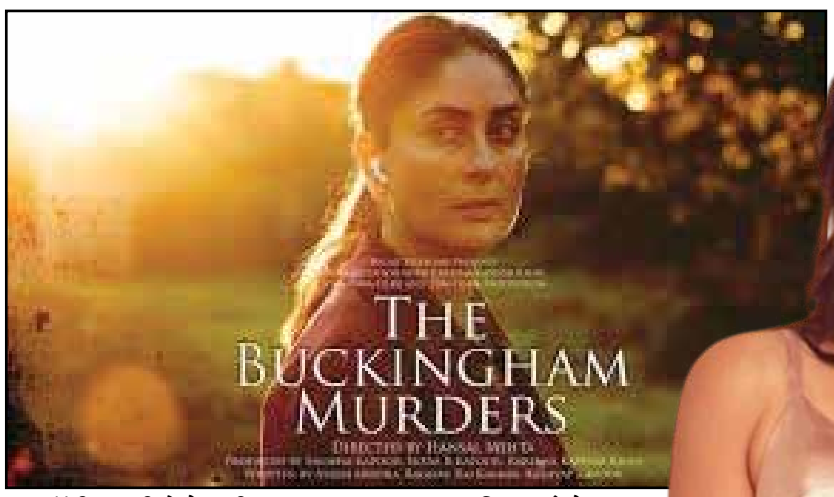

बॉलीवुड की बेबो करीना कपूर खान इस साल फिल्म क्रू से बॉक्स ऑफिस पर छाई थीं. मौजूदा साल में करीना एक्शन फिल्मों के डायरेक्टर रोहित शेट्टी की कॉप यूनिवर्स की फिल्म सिंघम अगेन में भी धमाका करती दिखेंगी. इससे पहले एक्ट्रेस हंसल मेहता की फिल्म द बकिंघम मर्डर्स में नजर आएंगी. फिल्म द बकिंघम मर्डर्स की रिलीज डेट का एलान हो चुका है. द बकिंघम मर्डर्स एक मर्डर मिस्ट्री फिल्म है. द बकिंघम मर्डर्स के मेकर्स बालाजी मोशन पिक्चर्स ने आज फिल्म से करीना कपूर खान का नया पोस्टर जारी कर इसकी रिलीज डेट का एलान कर दिया है. फिल्म द बकिंघम मर्डर्स आगामी 13 सितंबर को रिलीज होने जा रही है. बता दें, 13 सितंबर को सारा अली खान, आदित्य रॉय कपूर स्टारर फिल्म मैट्रो इन दिनों रिलीज होने जा रही थी, जो अब 29 नवंबर 2024 को रिलीज होगी. द बकिंघम मर्डर्स के मेकर्स बालाजी मोशन पिक्चर्स ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्रा अकाउंट पर एक फिल्म द बकिंघम मर्डर्स का एक पोस्टर शेयर किया है, जिसमें करीना कपूर अलग-अलग अवतार में दिख रही हैं. इस फिल्म को हंसल मेहता ने डायरेक्ट किया है. इसमें करीना कपूर खान का फुल फ्लेज रोल है. द बकिंघम मर्डर्स का बीएफआई लंदन फिल्म फेस्टिवल 2023 में प्रीमियर हुआ था, जिसे खूब तालियां मिली थीं. इसके अलावा मुंबई फिल्म फेस्टिवल 2023 में भी फिल्म की स्क्रीनिंग हुई थी.

बॉक्स ऑफिस पर कल्कि 2898 एडी की आंधी में भी किल ने दूसरे दिन लगाई छलांग

राघव जुयाल और लक्ष्य लालवानी स्टारर एक्शन-थ्रिलर फिल्म किल 5 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है. कल्कि 2898 एडी जैसी बड़ी साई-फाई फिल्म के पर्दे पर होते हुए किल डटी हुई है और दो दिन में 3 करोड़ से ज्यादा कमा चुकी है. सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक पहले दिन किल ने 1.25 करोड़ रुपए के कलेक्शन के साथ ओपनिंग की थी. इस बहुत अच्छी ओपनिंग नहीं कहा जा रहा था. वहीं अब दूसरे दिन फिल्म के कलेक्शन में बढ़ोतरी हुई है और इसने 1.90 करोड़ रुपए का बिजनेस किया है. दो दिन में किल ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर कुल 3.15 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया है. बता दें कि राघव जुयाल और लक्ष्य लालवानी की फिल्म किल महज 10 से 20 करोड़ रुपए के बजट में बनी है. ऐसे में फिल्म के लिए हर रोज 1-2 करोड़ रुपए का कलेक्शन भी अच्छा माना जा रहा है. वर्ल्डवाइड कलेक्शन की बात करें तो पहले दिन फिल्म ने1.50 करोड़ रुपए कमाए थे. वहीं अभी दूसरे दिन के आंकड़े सामने नहीं आए हैं. निखिल नागेश भट्ट के डायरेक्शन में बनी किल को अब तक की सबसे वायलेंट बॉलीवुड फिल्म कहा जा रहा है. फिल्म को करण जौहर और गुनीत मोंगा ने प्रोड्यूस किया है. किल के स्टारकास्ट की बात करें तो फिल्म में लक्ष्य लालवानी और राघव जुयाल लीड रोल्स में हैं. वहीं तान्या मानिकतला, अभिषेक चौहान, आशीष विद्यार्थी, हर्ष छाया और अद्रिजा सिन्हा भा अहम भूमिका निभाते नजर आए हैं. खास बात ये है कि जॉन विक के मेकर्स ने इस फिल्म के कॉपीराइट खरीद लिए हैं और अब जल्द ही इसका हॉलीवुड में रीमेक बनाया जाएगा.

रिवीलिंग लहंगा पहन तारा सुतारिया ने बिखेरा हुस्न का जलवा

मदमस्त अदाओं पर मर मिटे फैंस

बॉलीवुड एक्ट्रेस तारा सुतारिया अपने फैशन सेंस से अक्सर लोगों के बीच लाइमलाइट लूट लेती हैं। उनका स्टनिंग अवतार इंटरनेट पर आते ही बवाल मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस की बेहद खूबसूरत तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में उनकी शोख अदाएं देखकर फैंस एक बार फिर मंत्रमुग्ध हो गए हैं। एक्ट्रेस तारा सुतारिया आए दिन अपनी बोल्ड और ग्लैमरस तस्वीरें फैंस के बीच साझा कर अक्सर लोगों को अपना दीवाना बना देती हैं। उनकी फोटोज इंस्टाग्राम पर जब भी पोस्ट होती है तो फैंस उनकी तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हुए नहीं थकते हैं। अब हाल ही में तारा सुतारिया की एथनिक लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर तेजी से वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अवतार देखकर फैंस अपने होश खो बैठे हैं। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने सिल्वर कलर का लहंगा और साथ ही रिवीलिंग ब्लाउज पहनी हुई है, जिसमें वो काफी ज्यादा हॉट एंड ग्लैमरस लग रही हैं। बता दें एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज फैंस के बीच साझा करती हैं तो उनका हर एक लुक काफी ट्रेंड करता है। हालांकि इन तस्वीरों में भी आप देख सकते हैं तारा सुतारिया का ये जबरदस्त अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से उनके हुस्न के कायल हो गए हैं और उनकी फोटोज पर से लोगों की निगाहें हटने का नाम नहीं ले रही हैं। इंडियन हो या फिर वेस्टर्न एक्ट्रेस तारा सुतारिया का हर एक लुक इंटरनेट पर शेयर होते ही फैंस के बीच छा जाता है।

सोशल मीडिया पर ट्रेंड के पीछे भागने से ज्यादा प्रामाणिकता को दें महत्वः रश्मि गुप्ता

गुड्डन तुमसे ना हो पाएगा की एक्ट्रेस रश्मि गुप्ता सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उन्होंने ट्रेंड के पीछे भागने से ज्यादा प्रामाणिकता के महत्व पर जोर दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया को एक्सपोजर और कनेक्शन के लिए जरूरी टूल बताया। फिलहाल रश्मि गुप्ता ध्रुव तारा- समय सदी से परे में चंद्रा की भूमिका निभा रहीं हैं। उन्होंने कहा, सोशल मीडिया एक्सपोजर और कनेक्शन के लिए जरूरी टूल के रूप में काम करता है, फिर भी मैं ट्रेंड और मेट्रिक्स के पीछे भागने से ज्यादा प्रामाणिकता को प्राथमिकता देती हूं। एक्ट्रेस ने कहा कि यह प्लेटफॉर्म दोधारी तलवार की तरह है। उन्होंने कहा, सोशल मीडिया ने मेरे काम के लिए नेटवर्किंग और विजिबिलिटी की सुविधा दी है। सहयोग करने और बड़ी संख्या में दर्शकों तक पहुंचने में मेरी मदद की है। रश्मि ने बताया कि सोशल मीडिया अभिशाप और वरदान दोनों है। यह लोगों को अपना टैलेंट दिखाने के लिए एक प्लेटफॉर्म प्रदान करता है, यह व्यूज और फॉलोअर्स के लिए लिमिट्स को पार करने का कारण भी बन सकता है। एक्ट्रेस का मानना है कि वास्तविक जुडाव संख्या से कहीं ज्यादा मायने रखता है। उन्होंने कहा, सोशल मीडिया पर दूसरों की पॉपुलैरिटी से खुद की तुलना करने के बजाय मैं अपने सफर पर ध्यान देती हूं और मेरा मानना है कि वास्तविक जुड़ाव संख्याओं से कहीं ज्यादा मायने रखता है। रश्मि ने आगे कहा, घटना-बढ़ना जैसे एल्गोरिदम निराशाजनक हो सकते हैं, लेकिन मैं व्यू काउंट की तुलना में मीनिंगफुल कंटेंट को प्राथमिकता देती हूं। उनका मानना है कि कास्टिंग टैलेंट के दम पर होना चाहिए। ध्रुव तारा-समय सदी से परे में ध्रुव के किरदार में ईशान धवन और तारा के रोल में रिया शर्मा हैं। शो के नए एपिसोड में ध्रुव और तारा के बिल्कुल अलग अवतार दिखाई देंगे। शशि सुमीत प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित, ध्रुव तारा-समय सदी से परे सोनी सब पर प्रसारित होता है। वर्कफ्रंट की बात करें तो, रश्मि ने तिरुपति बालाजी कथासार सीरीज में देवी पार्वती की भूमिका निभाई। वह गुड्डन तुमसे ना हो पाएगा और साथ निभाना साथिया 2 में भी नजर आ चुकी हैं।

प्रभु देवा की डांसिंग फिल्म के टाइटल मून वॉक का एलान, फर्स्ट लुक पोस्टर आउट

इंडियन फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज कोरियोग्राफर प्रभु देवा अपने फैंस के लिए फिर हाजिर हैं एक फुल डांसिंग फिल्म लेकर. प्रभु देवा ने बीती 22 मार्च 2024 को अपनी नई डांसिंग फिल्म का एलान किया था और अपनी सुपरहिट फिल्म हम से है मुकाबला के हिट सॉन्ग मुकाबला के हुकअप स्टेप्स के पोस्टर शेयर किए थे. बीती 22 मार्च 2024 से प्रभु देवा के फैंस को उनकी इस फिल्म

के नाम और इसकी रिलीज डेट के एलान का इंतजार था. प्रभु देवा ने अपनी इस फिल्म से एक तोहफा अपने फैंस को दिया है. प्रभु देवा ने अपनी इस फिल्म के नाम का खुलासा कर दिया है. साथ ही फिल्म की पूरी स्टार कास्ट के नाम भी गिना दिए हैं. फिल्म मून वॉक में दिग्गज कंपोजर एआर रहमान का म्यूजिक होगा. यह छठवीं बार होगा, जब प्रभु देवा और एआर रहमान एक साथ कोई फिल्म करने जा रहे हैं. इस जोड़ी ने फिल्म हमसे है मुकाबला से ऐसा धमाका मचाया था, जो आज तक भी लोग भूले नहीं हैं. फिल्म का हिट सॉन्ग मुकाबला आज भी हिट सॉन्ग की लिस्ट में है. अब एआर रहमान और प्रभु देवा अपने सिनेमैटिक प्रोजेक्ट के लिए साथ लौटे हैं. मून वॉक को मनोज एनएस डायरेक्ट करने जा रहे हैं. इस फिल्म में प्रभु देवा के साथ-साथ अपनी कॉमिक टाइमिंग से हंसाने वाले योगी बाबू, अजू वर्गीस, अर्जुन अशोकन, सेट्ज, निश्मा चेंगपा, सुष्तिमा नायक, रेडिन किंग्स्ले, मोट्टई राजेंद्रन, सिंघमपुली, टीएसआर श्रीनिवासन, दीपा शंकर, डॉ. संतोष जैकब और रामकुमार नटराजन अहम रोल में नजर आएंगे. दिव्या मनोज और डॉक्टर प्रवीन एलॉक ने फिल्म को प्रोड्यूस किया है. बिहाइंडवुड्स फिल्म को पेश कर रहे हैं. बता दें, इससे पहले बीती 22 मार्च 2024 को एआर रहमान ने अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर कर इस फिल्म एआरआरडीपी6 का एलान किया था. साथ ही इस फिल्म का पोस्टर भी जारी किया था. सबसे पहले इस जोड़ी ने 1990 में साथ में काम किया था. साल 1994 में फिल्म कधलान (हमसे है मुकाबला) के सॉन्ग मुकाबला, उर्वशी उर्वशी और प्रेमिका ने प्यार से से धमाल मचाया था.

बाहुबली के डायरेक्टर की बायोग्राफी मॉडर्न मास्टर्सः एस.एस राजामौली की रिलीज डेट आउट

बाहुबली और आरआरआर जैसी मेगा-ब्लॉकबस्टर फिल्म के डायरेक्टर एस.एस राजामौली की बायोग्राफी डॉक्यूमेंट्री की रिलीज डेटा का एलान हो गया है. नेटफ्लिक्स ने दिग्गज डायरेक्टर की बायोग्राफी का एलान कर एक पोस्टर भी छोड़ा है. नेटफ्लिक्स ने राजामौली की बायोग्राफी के टाइटल के साथ-साथ इसकी रिलीज डेट का भी एलान किया है. अब सोशल मीडिया पर इसका खूब हल्ला मच रहा है. नेटफ्लिक्स राजामौली की बायोग्राफी डॉक्यूमेंट्री को लेकर लंबे समय से चर्चा में था. राजामौली की डॉक्यूमेंट्री की नाम मॉडर्न मास्टस:र् एस एस राजामौली है, जिसे अपलोज एंटरटेनमेंट और फिल्म कंपेनियोन बनाया है. राजामौली की डॉक्यूमेंट्री पहली ऐसी फिल्म है, जो फिल्म और उनके डायरेक्टर पर बात करती है. उन लोगों की बात करती हैं जो इंडियन सिनेमा के मास्टर्स हैं, जिनका सिनेमा अलग दुनिया का है. बता दें, नेटफ्लिक्स आगामी 2 अगस्त को राजामौली की बायोग्राफी डॉक्यूमेंट्री स्ट्रीम करने जा रहा है. वहीं, सोशल मीडिया पर राजामौली की फिल्मों के दिवाने फैंस अब उन्हें बधाईयां दे रहे हैं और कह रहे हैं कि उन्हें 2 अगस्त का बेसब्री से इंतजार है. एक्स हैंडल पर राजामौली के

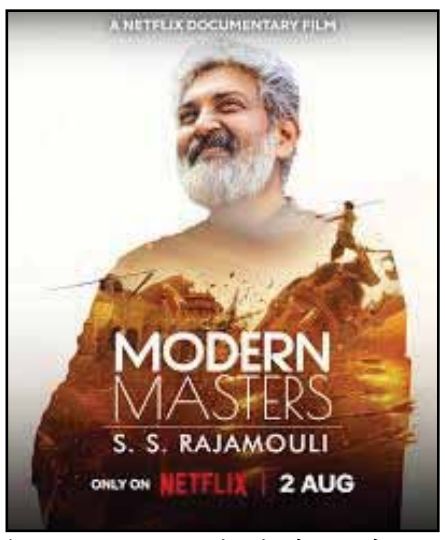

फैंस उनकी इस डॉक्यूमेंट्री के पोस्टर को शेयर कर अपनी खुशी जाहिर कर रहे हैं. बता दें, राजामौली ने अभी तक अपने करियर में जितनी भी फिल्में है की हैं, उसमें लगभग सभी हिट हैं. इसमें मगाधीरा, मक्खी, बाहुबली 1, बाहुबली 2 और पिछली मेगा-ब्लॉकबस्टर फिल्म आरआरआर शामिल है.